RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | बुधवार, 12 फरवरी 2026 | वर्ष: 03, अंक: 336 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस

नोटिस पर 116 सांसदों के हस्ताक्षर हैं, हालांकि इस पर तृणमूल कांग्रेस के किसी भी सांसद का हस्ताक्षर नहीं

नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर सदन के संचालन में पक्षपात का आरोप लगाते हुए कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने उनके खिलाफ मंगलवार को अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया। इस पर 116 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। हालांकि इस पर तृणमूल कांग्रेस के किसी भी सांसद का हस्ताक्षर नहीं है। हस्ताक्षर करने वाले 116 सांसदों में राहुल गांधी का भी नाम नहीं है। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने पत्रकारों को बताया कि अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस लोकसभा महासचिव को संविधान के अनुच्छेद 94-सी के तहत दिया गया है। नोटिस पर 116 सांसदों के हस्ताक्षर हैं, जिनमें कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा), द्रविण मुनेत्र कड़गम (द्रमुक), राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और अन्य शामिल हैं। हालांकि गोगोई ने इस नोटिस पर तृणमूल कांग्रेस के सांसदों के हस्ताक्षर नहीं होने से जुड़े सवाल पर चुप्पी साध ली।नोटिस में कहा गया है कि लोकसभा अध्यक्ष लगातार विपक्षी सांसदों को जनहित के मुद्दे उठाने से रोक रहे हैं। अनुच्छेद 94(सी) के तहत नोटिस दिया गया है क्योंकि अध्यक्ष खुलेआम पक्षपात कर रहे हैं। इसके साथ ही विपक्ष के आठ सांसदों को मनमाने ढंग से निलंबित कर दिया गया है; उन्हें केवल लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करने के लिए दंडित किया जा रहा है।नोटिस में लिखा गया है कि कई मौकों पर विपक्षी दलों के नेताओं को बोलने की अनुमति ही नहीं दी गई, जबकि यह उनका मौलिक अधिकार है।नियमों के मुताबिक नोटिस मिलने के बाद प्रस्ताव पेश करने और इस पर चर्चा के लिए तारीख तय की जाती है, जो नोटिस की तिथि से कम से कम 14 दिन बाद होती है। आमतौर पर प्रस्ताव स्वीकार होने के 10 दिनों के भीतर बहस और मतदान होता है।

देश में जानबूझकर अस्थिरता का माहौल बनाने का प्रयास कर रहा विपक्ष: भाजपा

नई दिल्ली

संसद में हंगामे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर देश में जानबूझकर अस्थिरता का माहौल बनाने के प्रयास का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. संबित पात्रा ने यहां पार्टी मुख्यालय में मंगलवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि सभी देख रहे हैं कि मीडिया में किस प्रकार सदन में हो रही गतिविधियों को लेकर घमासान मचा हुआ है। पूरे देश में विपक्ष जानबूझकर अस्थिरता का माहौल बनाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह सब आज से नहीं हो रहा, बल्कि जब से भाजपाझनीत राजग की सरकार बनी है, तब से राहुल गांधी, कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जॉर्ज सोरोस के इशारों पर देश के संवैधानिक संस्थानों पर गातार हमले कर रहे हैं। ये देश में अस्थिरता फैलाना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पात्रा ने कहा कि ममता बनर्जी ने एसआईआर को फर्जी बताकर एक खास तरह का माहौल बनाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि यह नैरेटिव गढ़ा गया कि एसआईआर फर्जी है, यह चुनावी रोल की शुचिता के लिए नहीं है।

कांग्रेस और ममता बनर्जी ने एसआईआर को फर्जी बताने का नैरेटिव गढ़ा: बीजेपी

भाजपा प्रवक्ता पात्रा ने कहा कि बीते सप्ताह ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि एसआईआर के माध्यम से बंगाल में अत्याचार हो रहा है और इसे तुरंत खारिज किया जाना चाहिए, लेकिन उच्चतम न्यायालय ने जो निर्णय दिया है वह ममता और उनकी सरकार के लिए करारा झटका है। भाजपा प्रवक्ता पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और ममता बनर्जी ने एसआईआर को फर्जी बताने का नैरेटिव गढ़ा।

लोकसभा में जारी गतिरोध थमा, हुई चर्चा

नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में जारी गतिरोध समाप्त होने के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने लोकसभा में आम बजट 2026 पर चर्चा की शुरूआत की। इस दौरान उन्होंने सरकारी खर्च में कमी और कर राजस्व संग्रह में ठहराव की आलोचना की। केरल की तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट से निर्वाचित शशि थरूर ने किसानों को दी जाने वाली पीएम किसान सम्मान निधि (पीएमकेवाई) की राशि बढ़ाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि सरकार को दो हजार रुपये की आर्थिक मदद को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने मनरेगा को बदल कर बनाए गए वीबी जी राम जी कानून पर भी सवाल उठाए। थरूर ने कहा कि शिक्षित युवाओं की बेरोजगारी दर लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। स्मार्ट सिटी योजना की घोषणा के बाद समय-सीमा बार-बार बढ़ती रही, लेकिन जमीन पर कोई ठोस बदलाव नहीं हुआ।

अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते पर भी सवाल उठाए

अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते पर भी सवाल उठाए और कहा कि भारत का व्यापार फायदा 45 अरब डॉलर है, लेकिन हमने यह डील कर ली कि अगले पांच साल में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी सामान खरीदेंगे।

यह निश्चित क्रय प्रतिबद्धता भारत के हित में नहीं है और दीर्घकाल में नुकसानदायक साबित होगी।

उन्होंने कहा कि वाणिज्य और विदेश मंत्री को इस समझौते की टाइमलाइन और अन्य सवालों के जवाब देने चाहिए। गालिब के एक मशहूर शेर का हवाला देते हुए थरूर ने कहा, 'हमें मालूम है जन्नत की हकीकत मगर दिल बहलाने के लिए गालिब खयाल अच्छा है।' उन्होंने कहा कि विकसित भारत केवल स्लोगन से नहीं बनेगा बल्कि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं की डिलीवरी से बनेगा। यही हमारा कर्तव्य है।

भारतीय रेलवे का ऐतिहासिक कदम: स्टेनलेस स्टील कंटेनर से औद्योगिक नमक का सफल परिवहन

अहमदाबाद।

पश्चिम रेलवे के गांधीधाम क्षेत्र ने माल परिवहन के क्षेत्र में एक नई उपलब्धि हासिल करते हुए इतिहास रच दिया है। विश्व में पहली बार भारतीय रेलवे ने स्टेनलेस स्टील कंटेनर के माध्यम से औद्योगिक नमक का सफलतापूर्वक परिवहन किया है। यह ऐतिहासिक लदान गांधीधाम के नीलकंठ जोन से किया गया।

अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वेद प्रकाश ने बताया कि यह नवाचार भारतीय रेलवे की आधुनिक और नवाचार-आधारित लॉजिस्टिक्स रणनीति का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि स्टेनलेस स्टील कंटेनर में औद्योगिक नमक का यह सफल परीक्षण संवेदनशील थोक माल के सुरक्षित, स्वच्छ और उच्च दक्षता वाले परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

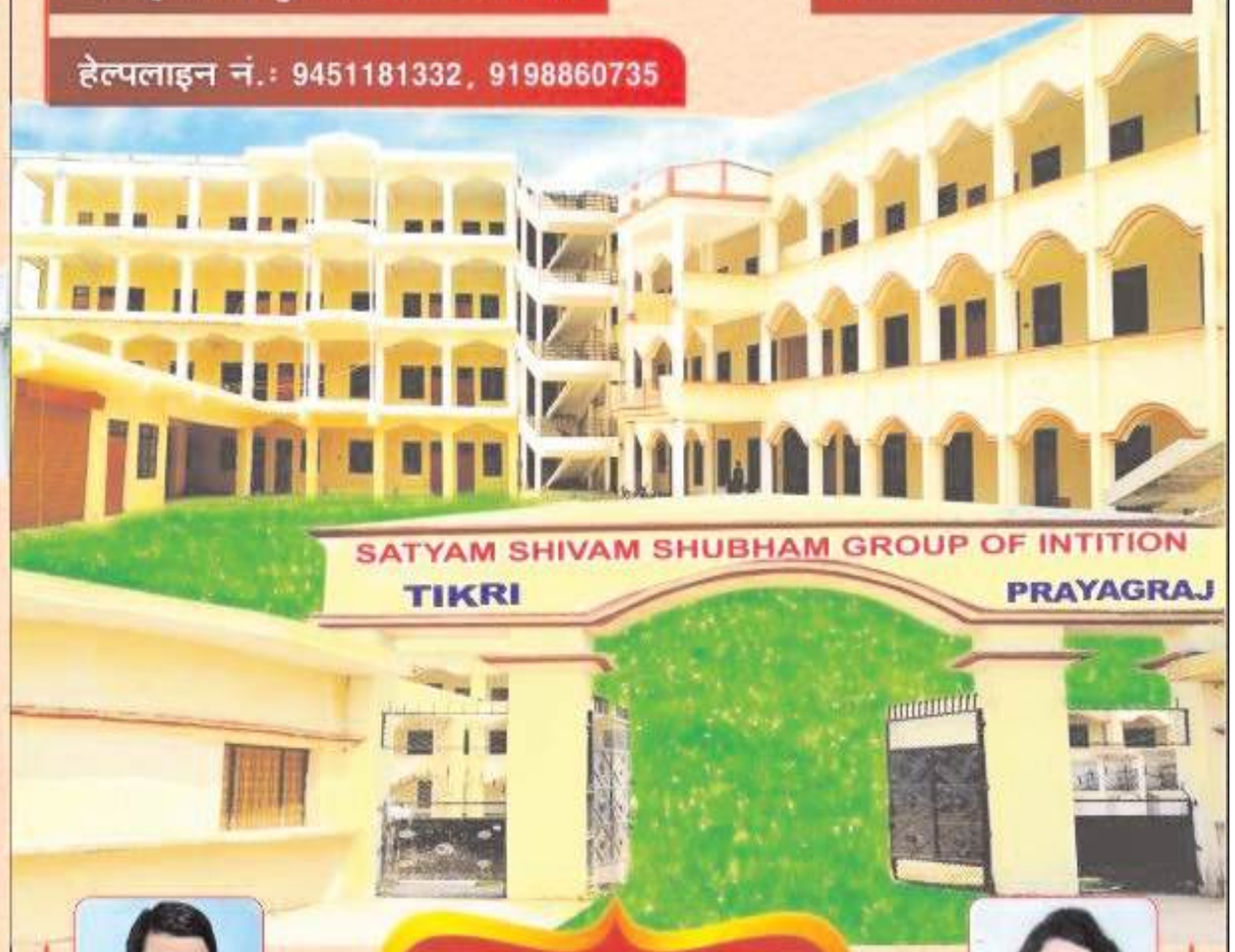

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

सीडीपीओ. सरसवां/मुख्य सेविकाओं का वेतन रोकने के निर्देश

डीएम ने की जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक संपन्न हुई।

जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं सभी सी.डी.पी.ओ. से निजी भवनों/किराये पर संचालित आँगनबाड़ी केन्द्रों की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि निजी भवनों/किराये पर संचालित सभी आँगनबाड़ी केन्द्रो को सरकारी भवनों में शिफ्ट कराया जाय। उन्होंने पोषण ट्रैकर पर बच्चों की उपस्थिति की समीक्षा के दौरान सभी सी.डी.पी.ओ. से कहा कि आँगनबाड़ी केन्द्रवार पोर्टल पर फीडिंग की जाँच किया जाय। उन्हांने लाभार्थियों की फेस कैप्चरिंग की समीक्षा के दौरान विकास खण्ड सरसवां में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर सी.डी.पी.ओ. सरसवां एवं सरसवां के सभी मुख्य सेविकाओं का वेतन रोकते हुए स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सभी सी.डी.पी.ओ. से कहा कि शत-प्रतिशत वी.एच.एस.एन.डी.

सेशन का आयोजन सुनिश्चित किया जाय।

उन्होंने मुख्य सेविकाओं से सैम बच्चों की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि अभिभावकों को जागरूक कर पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती कराया जाय। उन्होंने सभी सी.डी.पी.ओ. को अपने कार्यों की प्रतिदिन मॉनीटरिंग करते हुए विभागीय योजनाओं/कार्यक्रमों में प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चे जो नियमित रूप से आँगनबाड़ी केन्द्र नहीं आ रहें है, उन बच्चां को चिन्हित कर आँगनबाड़ी केन्द्र लाया जाय। शत-प्रतिशत होम विजिट सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना के लम्बित प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित करने तथा लाभार्थियों को पोषाहार का वितरण समय से सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रां में निमार्णाधीन आँगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान जिला पंचायतराज अधिकारी से कहा कि माह फरवरी तक सभी आँगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण कार्य पूर्ण करा लिया जाय।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोदा राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

डीएम ने सेफर इंटरनेट दिवस पर जन-जागरूकता बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी । सेफर इंटरनेट दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने कलेक्ट्रेट परिसर से जन-जागरूकता बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इंटरनेट का सुरक्षित, जिम्मेदार एवं सकारात्मक उपयोग आज के समय की आवश्यकता है।

जिला सूचना विज्ञान अधिकारी रविन्द्र जायसवाल ने कहा कि इस रैली का उद्देश्य आमजन, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव तथा डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करना है।

रेलवे ट्रैक पर मिली महिला की हत्या का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज कौशाम्बी। थाना सैनी क्षेत्र के ग्राम परसीपुर के पास रेलवे ट्रैक पर मिले महिला के शव के मामले का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार यह मामला हत्या कर शव को ट्रेन से दुर्घटना का रूप देने का प्रयास था।

पुलिस के मुताबिक 7 फरवरी 2026 की रात लगभग 9:30 बजे रेलवे कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि परसीपुर गांव के पास रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात महिला का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि महिला के मुंह पर टेप लगा था, दोनों पैर बंधे थे तथा रस्सी से गला कसा गया था। बायां हाथ ट्रेन की चपेट में आने से क्षत-विक्षत हो गया था। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलित कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार ने विशेष टीमों का गठन कर शीघ्र खुलासे के निर्देश दिए। सोशल, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से पहचान कराए जाने पर मृतका की पहचान उर्मिला देवी पत्नी स्व. चिंतामणि, निवासी हिसामबाद थाना मोहब्बतपुर पइंसा के रूप में हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हुई।

इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने दिनेश कुमार पुत्र स्व. बिहारीलाल उर्फ देवशरण तथा रंजीत कुमार पुत्र हरिश्चन्द्र निवासी जवई पड़री को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर मृतका का टूटा मोबाइल, सैंडल, दवाइयां, घटना के समय पहने कपड़े-जूते, प्रयुक्त मोटरसाइकिल तथा टेप रोल बरामद किया गया।

पूछताछ में मुख्य आरोपी दिनेश ने बताया कि उसका मृतका से पिछले दो वर्षों से संपर्क था। उसकी शादी कहीं और तय होने के बाद मृतका द्वारा कथित रूप से दबाव और शिकायत की धमकी दिए जाने से परेशान होकर उसने अपने रिश्तेदार रंजीत के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। दोनों ने 7 फरवरी को महिला को इलाज के बहाने मंझनपुर ले जाकर परसीपुर रेलवे अंडरपास के पास सुनसान स्थान पर गला दबाकर हत्या कर दी और शव को रेलवे ट्रैक पर डाल दिया ताकि घटना दुर्घटना प्रतीत हो।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय भेज दिया है।

मलवां पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर थाना मलवां पुलिस द्वारा वांछित वारंटी की तलाश में चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर एक वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक मलवां राजकिशोर ने बताया कि वारंटी की तलाश में चेकिंग किया जा रहा था इसी बीच मुखबिर की सूचना पर न्यायालय द्वारा वारंटी चल रहे अभियुक्त भीखम सिंह पटेल उर्फ राजू पुत्र रामदयाल निवासी उमरगहना थाना मलवा जनपद फतेहपुर उम्र 45 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

बहु-बेटी सम्मेलन" का किया गया भव्य आयोजन"

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के निर्देशन में जनपद फतेहपुर के विभिन्न थानों द्वारा मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत महिलाओं/बालिकाओं को साइबर अपराध, महिला सशक्तिकरण, नारी सुरक्षा, स्वावलंबन ,दहेज मृत्यु एवं अपहरण जैसी गंभीर घटनाओं को कम करने व अधिकारों के सम्बन्ध में शक्ति दीदियों, आँगनवाड़ी कार्यकत्रियों और आशा बहुओं से समन्वय स्थापित कर गांव व स्कूलों में बहू-बेटी सम्मेलन का आयोजन कर महिलाओं, किशोरियों एवं परिवारों को कानूनी अधिकारों, मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा सरकारी योजनाओं व विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गयी । साथ ही स्कूलों एवं कॉलेजों में विशेष अभियान चलाकर युवाओं को अपराध के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया । महिलाओं एवं बेटियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता से ही इन सामाजिक अपराधों पर अंकुश लगाया जा सकता है। इस आयोजन से महिला सशक्तिकरण को मिल रही नई गति ।

छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मधुर संगीत, प्रेरक भाषण, शायरी आदि से उपस्थित लोगों का मन मोहा

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। कड़ा विकास खण्ड के श्री महादेव सिंह बाल कन्या इंटरमीडिएट कालेज अम्बाई बुजुर्ग में मंगलवार को विदाई एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मधुर संगीत, प्रेरक भाषण, शायरी आदि से उपस्थित लोगों का मन मोहा साथ ही अपने सीनियर छात्र-छात्राओं को भावपूर्ण विदाई दी।इस अवसर पर छात्रों के चेहरों पर भविष्य को लेकर उत्साह और

विद्यालय से विदाई की भावुकता दोनों दिखाई दी।छात्र-छात्राओं ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और अपने स्कूल जीवन की यादें साझा की।दसवीं व बारहवीं के विद्यार्थियों ने बताया कि विद्यालय ने उन्हें शिक्षा के साथ-साथ जीवन के मूल्य और अनुशासन भी सिखाया है।

विद्यालय के संचालक सूबेदार सिंह उर्फ पिन्टू यादव ने विद्यार्थियों को मेहनत, आत्मविश्वास और अनुशासन को सफलता की कुंजी बताते हुए उन्हें उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी वही प्रधानाचार्य अजय सिंह ने छात्रों को निरंतर परिश्रम, सकारात्मक सोच और लक्ष्य के प्रति समर्पण का संदेश दिया।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के मेघावी छात्र-छात्राओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।इस अवसर पर उपनिरीक्षक भोला सिंह, विनोद कुमार यादव, झल्लर यादव, दीवान सिंह, जनार्दन सिंह, कपूर सिंह, अमन सिंह, अनुज सिंह, माधुरी देवी, खुशी देवी, हुमैरा शेख, संध्या आदि लोग उपस्थित रहे।

वर्तमान सरकार के पास धर्म और जाति के अलावा कुछ नहीं बचा - गौरव

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। जनपद कौशाम्बी के भरवारी पहुंचे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व व जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद अकरम जी के कैंप कार्यालय पर जोरदार स्वागत किया गया तत्पश्चात पूर्व विधायक स्वतंत्रता सेनानी स्वङ्ग मंगला प्रसाद तिवारी जी की मूर्ति का अनावरण किया इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि वर्तमान सरकार के पास धर्म और जाति के अलावा कुछ नहीं बचा विकास के नाम पर सरकार तोड़फोड़ करती है जिसका उदाहरण बनारस में माता अहिल्याबाई होलकर जी की मूर्ति को तोड़ दिया दाल मंडी को पूरी तरह विकास के नाम पर ध्वस्त कर रही है भाजपा सनातनी होने का ढोंग करती है प्रयागराज माघमेले

में जिस प्रकार से साधु संन्यासियों का अपना किया है वो किसी से नहीं छुपा अहंकारी भाजपा स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी को स्नान तक नहीं करने दिया लेकिन याद रहे कांग्रेस पार्टी हमेशा इनके मान सम्मान की लड़ाई लड़ेगी। देश जनता महंगाई और बेरोजगारी से परेशान है कानून व्यवस्था वेंटिलेटर पर है लेकिन सरकार को सिर्फ आमजन को तकलीफ के सिवा कुछ नहीं दे पा रही है इस नेशनल इंटर कॉलेज के प्रबंधक रवि नारायण तिवारी एवं प्रधानाचार्य विनोद मिश्रा ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की तत्पश्चात प्रदेश अध्यक्ष ने इन्हें कांग्रेस की पट्टिका पहनाकर शुभकामनाएं दी इसके बाद जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का माल्यार्पण कर स्वागत किया इस दौरान मुख्य रूप से पूर्व विधायक चायल विजय प्रकाश,वरिष्ठ नेता सुधाकर तिवारी,प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी,जिलाध्यक्ष गंगापार अशफाक अहमद,मोहम्मद अकरम दीपक पाण्डेय बाबू जी,सुरेंद्र शुक्ला,श्याम मूर्ति तिवारी,श्याम सिंह भदौरिया,,तनुज तिवारी,अर्पित तिवारी,अजय कुमार,आशीष मिश्रा पप्पू,शशि त्रिपाठी,भुनेश्वर, तिवारी,पंकज कुमार,संगीता कोरी,भरत लाल शर्मा, चंद्रकांत शुक्ला,प्रज्ञा मिश्रा,माया त्रिपाठी,शैलेन्द्र नारायण तिवारी, विजय यादव,नैय्यर रिजवी,शकील अब्बास,बेलाल,रावेंद्र यादव,मनोज पटेल,तलत अजीम नुसरत सलमान सरवर,सोम प्रकाश मिश्रा।

'डिमिक डिमिक डमरू कर बाजे प्रेम मगन नाचे भोला' जमकर थिरके दर्शक

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं संस्कार भारती के संयुक्त तत्वावधान में माघ मेला सेक्टर दो में चल रहे चलो मन गंगा यमुना तीर में सोमवार की सांस्कृतिक संध्या प्रसिद्ध नृत्यांगना सरोज ढींगरा से झिलमिलाती रही। उनकी नृत्य भंगिमाओं में भारतीय शास्त्रीय नृत्य की गहराई और भावनाओं की अनोखी अभिव्यक्ति देखने को मिली। सरोज ढींगरा एवं दल ने पारंपरिक नृत्य नाटिका के साथ समकालीन प्रयोगों का सुंदर संयोजन पेश किया। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के बचपन की

माखन चोरी की सुंदर स्मृतियों को मंच पर जीवंत किया। भगवान शिव और माता पार्वती के शक्तिशाली और दिव्य नृत्य को दशार्ता एक सुंदर नृत्य-चित्र गर्विता में भावनात्मक अभिव्यक्ति और नृत्य कौशल की झलक दिखाई। इसके बाद डॉ. प्रतिभा मिश्रा ने हर-हर गंगे नमो-नमो गंगे, मनवा मोरे भज ले रे तू राम, संगम तीरे लागल माघ मेला, गोदना गोदइबे गोदना एवं बैल पे सवार भोला आए जैसे गीतों की प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरीं।

रंजना मिश्रा ने डिमिक-डिमिक डमरू, गंगा रेती पे बंगला, मोरा फागुन जिया बहके और जिया रोज मेरे घर आवै की भावपूर्ण प्रस्तुतियों से श्रोताओं को आनंदित किया।

वहीं जलज श्रीवास्तव ने ठुमरी आड़ पिया की आए, सैयां के रंग हजार एवं हटो जावो रे ना बोलो सैयां प्रस्तुत कर संध्या को शास्त्रीय रंगों से भर दिया।

डीएम एसपी द्वारा आगामी बोर्ड परिक्षाओं सम्बन्ध में की गयी गोष्ठी

सबसे तेज प्रयागराज बुलंदशहर । मंगलवार को जिलाधिकारी श्रीमती श्रुति एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर दिनेश कुमार सिंह द्वारा आगामी माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षाओं को सकुशल, नकलविहीन एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने के उद्देश्य से ललता प्रसाद इंटर कॉलेज में एक महत्वपूर्ण गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, परीक्षा केन्द्रों से जुड़े अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा नकल पर प्रभावी नियंत्रण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि त्यौहार को लेकर डीएम एसपी ने किया भ्रमण

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर । जिलाधिकारी फतेहपुर रविन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अनूप कुमार सिंह द्वारा आगामी महाशिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत *थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत ताम्बेश्वर मंदिर व थाना लल्लौली क्षेत्रांतर्गत थवईश्वर मंदिर का भ्रमण किया गया तथा महाशिवरात्रि पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही मौके पर अपर जिलाधिकारी फतेहपुर व अपर पुलिस अधीक्षक फतेहपुर मौजूद रहे ।

चोरी करने वाला अभियुक्त चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के अमीनपुर संवरो पिंडरा चौराहा कटरा रोड निवासी फूलचन्द्र कुशवाहा पुत्र शंकरलाल के पुराने घर से देर रात्रि में अज्ञात चोर 07 कम्बल चोरी कर ले गए थाना पर मु0अ0सं0 28/26 धारा 331(4)/305ए बीएनएस पंजीकृत हुआ थाना करारी पुलिस ने मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित प्रकाश में आए वांछित अभियुक्त सुनील कुमार पुत्र शीतल प्रसाद निवासी ग्राम भौनी का पूरा मजरा बैशकटी थाना करारी को फरीदपुर संवरों मोड़ के पास से गिरफ्तार किया अभियुक्त के कब्जे से चोरी का 07 अदद कम्बल तथा घटना में प्रयुक्त 01 अदद मोटरसाइकिल बरामद किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा हैं।

बच्चों को दवा खिलाकर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान का डीएम ने किया शुभारंभ

हनुमान प्रसाद शुक्ल
सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। जनपद में आज राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान का शुभारंभ जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने प्राथमिक विद्यालय बबुरा में बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाकर किया। उन्होंने बच्चों से संवाद करते हुए कहा कि खूब मन लगाकर पढ़ाई करें। उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर आमजन को पौधारोपण के प्रति जागरूक किया।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि

मुक्ति दिवस अभियान का उद्देश्य 01 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों एवं किशोरों को कृमि संक्रमण से मुक्त करना है, जिससे उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास में सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि कृमि संक्रमण बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इस अभियान में सभी की सहभागिता आवश्यक है।

मुख्य चिकित्साधिकारी ने कहा कि जनपद के 06 ब्लॉक-कड़ा, कौशांबी, मंझनपुर, मूरतगंज, नेवादा एवं सिराथू में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान के अंतर्गत विद्यालयों एवं आंगनबाड़ियों के माध्यम से 01 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों को एल्बेंडाजोल टेबलेट खिलाई जाएगी। उन्होंने अभिभावकों से अपील की,कि अपने बच्चों को अनिवार्य रूप से दवा का सेवन कराएं।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान को गंभीरता से लेते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जाय तथा दवा वितरण के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. कमलेंद्र कुमार कुशवाहा व प्रभारी चिकित्साधिकारी मंझनपुर नीरज सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सभ्यताओं का संघर्ष ही नहीं होता, आदान प्रदान भी होता है : प्रो शाहिद

भारत प्राचीन काल से विश्व को कंर रहा समृद्ध : पंकज जायसवाल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। आर्य कन्या डिग्री कॉलेज में आईक्यूएसी और राजनीति शास्त्र विभाग की ओर से विशिष्ट व्याख्यान साउथ एशियन डायस्पोरा आज आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता प्रो (मो) शाहिद, विभागाध्यक्ष, राजनीति शास्त्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय थे। उन्होंने साउथ एशिया डायसपोरा विवरण करते हुए दक्षेस के पतन और बिमस्टेक के बारे में चर्चा की। भारत के बहु संस्कृतिवाद की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि सभ्यताओं का संघर्ष ही नहीं होता है बल्कि उनका आदान प्रदान भी होता है। उन्होंने दक्षिण एशिया के प्रवासियों की अन्य देशों में उनकी राजनीतिक भूमिका का वर्णन किया कि आज यह प्रवासी अन्य देशों की राजनीतिक व्यवस्था में भी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने गिरमिटिया मजदूर, सैम पित्रोदा के ब्रेन ड्रेन से ब्रेन गेन जैसी अवधारणाओं पर भी प्रकाश डाला है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आर्यकन्या डिग्री कालेज के शासी निकाय के अध्यक्ष पंकज जायसवाल ने की। उन्होने बताया कि भारत का प्राचीन काल से विश्व को समृद्ध करने में योगदान रहा है तथा आज भी भारत का प्रभाव महत्वपूर्ण है। प्राचार्या प्रो अर्चना पाठक ने विश्व स्तर पर प्रवासी भारतीयों की बढ़ती भूमिका के बारे में बताया एवं प्रवासियों की समस्याओं पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ अनुपमा सिंह और धन्यवाद ज्ञापन डॉ अवधेश कुमार ने किया।

कार्यक्रम में उप प्राचार्या प्रो इभा सिरोठिया, डीन प्रो अंजू श्रीवास्तव, कोऑर्डिनेटर प्रो निलांजना जैन, चीफ प्रॉक्टर डॉ रंजना त्रिपाठी, डॉ मुदिता तिवारी, डॉ नाजनीन फारूकी, डॉ निशा खन्ना, डॉ अमित पाण्डेय, डॉ श्यामाकांत, डॉ सब्यसांची और शिक्षक एवं शोध छात्र सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहे।

केजीबीवी बहादुरपुर से संस्कृति यादव चयन, दी बधाई

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। बीएसए अनिल कुमार और खंड शिक्षा अधिकारी बहादुरपुर अखिलेश कुमार के मार्गदर्शन में जिला स्तर पर आज प्रतियोगिता हुई जिसमें कॉमिक बुक निर्माण प्रतियोगिता में केजीबीवी बहादुरपुर से संस्कृति यादव का प्रथम स्थान पर चयन हुआ है। प्रधानाचार्या श्रीमती वंदना श्रीवास्तव ने बताया कि यह हम सभी शिक्षकों के लिए गौरव का विषय है और सभी को बहुत - बहुत बधाई। कस्तूरबा की सुगमकर्ता रत्ना चौरसिया और उनके स्टाफ को बधाई। अब संस्कृति यादव मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभा करेगी। बीएसए अनिल कुमार ने भी छात्रा संस्कृति यादव को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

कर्तव्यनिष्ठा, राष्ट्र समर्पण की भावना करेगी पथ-प्रदर्शक का कार्य : डा रंजीत

छात्रों के लिए सामाजिक सरोकारों के साथ नए जीवन की शुरूआत : विक्रम बहादुर सिंह

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सिविल लाइन्स में आज सत्र 2025-26 के इंटरमीडिएट बोर्ड के छात्र - छात्राओं के लिए 'आशीर्वचन समारोह' का आयोजन विद्यालय के विशाल सभागार में हुआ। रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच छात्र - छात्राओं को परीक्षाओं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि सीएमपी डिग्री कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रंजीत थे जबकि विशिष्ट अतिथि विद्या भारती पूर्वी उप्र के क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री डॉ. राम मनोहर थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और वंदना से हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य विक्रम बहादुर सिंह परिहार ने अतिथियों का परिचय एवं सम्मान कराते हुए कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि यह समारोह केवल एक विदाई नहीं, बल्कि छात्रों के लिए सामाजिक सरोकारों के साथ एक नए जीवन की शुरूआत है। उन्होंने छात्रों के विश्वविद्यालयी जीवन में प्रवेश के लिए उनके मंगलमय और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

11वीं के छात्र-छात्राओं ने अपने वरिष्ठों के सम्मान में गीत और भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। 12 वीं के छात्रों ने विद्यालय में बिताए अपने अनुभवों को साझा किया। राज सिंह, नितिन मिश्र, नवल और देविका जैसे छात्रों की भावुक भावाभिव्यक्ति सुनकर सभागार में उपस्थित सभी की आँखें नम हो गईं। युवराज और साक्षी द्वारा प्रस्तुत समूह गीत ने कार्यक्रम में समां बाँध दिया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. राम मनोहर ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि विद्या भारती के संस्कार लेकर निकलने वाले युवा राष्ट्र के भविष्य के नायक होंगे। उन्होंने छात्रों से गुरुजनों के ज्ञान को आत्मसात कर देश का गौरव बढ़ाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि डॉ. रंजीत ने कहा कि विद्यालय में सीखी गई कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र समर्पण की भावना जीवन की हर कठिन परिस्थिति में पथ-प्रदर्शक का कार्य करेगी। संचालन आचार्य सन्तोष पाण्डेय ने किया। प्रीतिभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

केजीबीवी बहादुरपुर से संस्कृति यादव चयन, दी बधाई

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। राज्य शिक्षा संस्थान के प्राचार्य एवं डायट प्राचार्य राजेन्द्र प्रताप, बीएसए अनिल कुमार और खंड शिक्षा अधिकारी बहादुरपुर अखिलेश कुमार के मार्गदर्शन में जिला स्तर पर आज प्रतियोगिता हुई जिसमें कॉमिक बुक निर्माण प्रतियोगिता में केजीबीवी बहादुरपुर से संस्कृति यादव का प्रथम स्थान पर चयन हुआ है। प्रधानाचार्या श्रीमती वंदना श्रीवास्तव ने बताया कि यह हम सभी शिक्षकों के लिए गौरव का विषय है और सभी को बहुत - बहुत बधाई। कस्तूरबा की सुगमकर्ता रत्ना चौरसिया और उनके स्टाफ को बधाई। अब संस्कृति यादव मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभा करेगी। राज्य शिक्षा संस्थान के प्राचार्य एवं डायट प्राचार्य राजेन्द्र प्रताप और बीएसए अनिल कुमार ने भी छात्रा संस्कृति यादव को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सेवा ही साधना, मानवता हमारा धर्म : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

परमार्थ त्रिवेणी पुष्प नैनी में 22 - 27 फरवरी तक निःशुल्क दिव्यांगता मुक्त शिविर का आयोजन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश एवं महावीर सेवा सदन, कोलकाता की ओर से परमार्थ त्रिवेणी पुष्प, अरैल घाट के पास नैनी में 22 से 27 फरवरी तक निःशुल्क 'दिव्यांगता मुक्त शिविर' का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, स्वामी शुकदेवानन्द ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी एवं परमार्थ त्रिवेणी पुष्प, प्रयागराज के चेयरमैन स्वामी चिदानन्द सरस्वती मार्गदर्शन में होगा। इस निःशुल्क शिविर में प्रशिक्षित टीम ने दिव्यांगजनों का परीक्षण,परामर्श, आवश्यकतानुसार कृत्रिम अंग, कैलिपर, सहायक उपकरण निःशुल्क प्रदान किया जायेंगे। वर्ष 2012 से परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश एवं महावीर सेवा सदन, कोलकाता की ओर से देश के विभिन्न राज्यों यथा उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, गुजरात, ओडिशा, उत्तर प्रदेश में लगातार इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, अब तक लाखों लाभार्थियों ने इन शिविरों से लाभ उठाया है। उत्तराखंड, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर तथा अन्य पहाड़ी राज्यों एवं दुर्गम क्षेत्रों की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक विशेष अत्याधुनिक एम्बुलेंस का निर्माण किया गया है, जो ऊबड़-खाबड़ रास्तों, संकरी पगडंडियों, ऊंचाई वाले इलाकों में पहुंच कर सेवायें दे सके।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती का मानना है कि "दिव्यांगता शरीर की हो सकती है, आत्मा की नहीं। यदि समाज साथ दे तो हर व्यक्ति अपने भीतर की दिव्यता को पहचान सकता है।" दिव्यांगता कोई अभिशाप नहीं, बल्कि संवेदनशील सहयोग से बदली जा सकने वाली परिस्थिति है शिविर में भाग लेने के इच्छुक लाभार्थियों के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 15 फरवरी निर्धारित की गई है। यहां किसी को इंतजार नहीं करना पड़ेगा, किसी को बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़े इसलिये उसी दिन माप, उसी दिन फिटिंग, उसी दिन नई शुरूआत की जायेगी। संतोष पाण्डेय के मोबाइल - 9839345999 एवं आदित्य मारदा 9830327979 के नम्बरों पर पंजीकरण किया जा सकता है।

श्रीमदभागवत कथा श्रवण करने से मानव पाप मुक्त हो जाता है पं अमित कृष्ण महाराज

कलश यात्रा के साथ शुरू हुई श्रीमदभागवत कथा

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। क्षेत्र के बोमापुर गांव में श्रीमदभागवत कथा का शुभारंभ मंगलवार को कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ। कलश यात्रा आचार्य पं अमित कृष्ण जी महाराज के सानिध्य में निकाली गई ।कलश यात्रा गांव में स्थित मंदिरों से होते हुये यज्ञ स्थल पर समाप्त हुई तथा दो बजे से कथा आरम्भ हुई। प्रथम दिवस की कथा में आचार्य पं अमित कृष्ण जी महाराज ने कहा कि भगवान के पावन चरित्र के श्रवण करने से दैहिक दैविक और भौतिक तीन संतापों का शमन हो जाता है। जीवात्मा पाप से मुक्त हो

आवागमन के चक्कर से निकल कर वह भगवान के धाम को चला जाता है। धुंधकारी के उद्धार की कथा को विस्तार से बताया।आगे उन्होंने कहा कि कुसंगति में पड़ कर धुंधकारी की अकाल मृत्यु हो गई और वह प्रेत योनी में चला गया।

उसके भाई गोकर्ण ने श्रीमदभागवत कथा को सुनाया तो वह प्रेत योनि से निकल कर भगवान के धाम को चला गया।इसलिये भगवान की चरित्र को मुदित मन से सुनना चाहिये।कथा श्रवण करने वाले में मुख्य यजमान शशिकांत शुक्ल पत्नी मंजू शुक्ल, सूर्य कांत शुक्ल,शेषकांत शुक्ल ,दिनेश चन्द्र शुक्ल, समरकांत शुक्ल,अवधेश मिश्र,जीत लाल मिश्र,विमल पाण्डेय, अभिषेक शुक्ल,भुल्ली, सीताराम मिश्र,कल्लू पाण्डेय,शशिता मिश्र,शशि मिश्र,उपमा शुक्ल,रंजना शुक्ल,रीता देवी,सुषमा देवी, आशुतोष शुक्ल प्रवीण तिवारी समेत ग्रामवासी लोग रह।

धार्मिक स्थलों एवं भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं/बालिकाओं को किया जागरूक

सब से तेज प्रयागराज

प्रयागराज । महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उ0प्र0 सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी योजना ह्लमिशन शक्ति 5.0ह्व के तहत पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में मंगलवार को गंगानगर जोन के समस्त थानों की महिला पुलिसकर्मियों/मिशन शक्ति टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, कस्बों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं/बालिकाओं को उनके

अधिकारों एवं सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताकर जागरुक किया गया । टीम द्वारा बालिकाओं को साइबर सुरक्षा के सम्बंध में जानकारी देकर जागरुक किया गया एवं सोशल मीडिया को सावधानी पूर्वक प्रयोग करने के लिये भी सुझाव दिया गया । किसी भी शोहदों द्वारा परेशान करने पर तत्काल डायल-112 अथवा मिशन शक्ति टीम से शिकायत करने करने को बताया गया ।

मिशन शक्ति टीम द्वारा महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण के सम्बन्ध में बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर जैसे पुलिस आपात सेवा-112, वूमेन पावरलाइन-1090, महिला हेल्पलाइन-181, सीएम हेल्पलाइन-1076, साइबर हेल्पलाइन-1930 व मिशन शक्ति केन्द्र आदि के बारें में जानकारी देकर जागरुक किया गया तथा पम्पलेट वितरित किया गया ।

कूटरचित दस्तावेज तैयार करके नाबालिक बालिका का कराया गया था ओवा एक्सट्रैक्शन

फाफामऊ पुलिस ने महिला समेत 2 को गिरफ्तार कर भेजा जेल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। फर्जी दस्तावेज तैयार करने के बाद नाबालिक बालिका के ओवा एक्स ट्रैक्शन मामले में फाफामऊ पुलिस ने एक महिला और एक पुरुष दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अंडाणु बिक्री मामले में फाफामऊ थाने में धारा-140(4)/137(2)/143(4)/351(2) भा0न्या0सं0 व 3/5(1) विधि विरूद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम संबंधी मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि सम्बंधित पीड़िता को बहला फुसलाकर फर्जी आधार कार्ड तैयार कराकर उसको बालिग तथा विवाहित दशार्ते हुए अवैध रूप से ओवा (अंडाणु) एक्सट्रैक्शन करवाने के मामले में जिन दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है उनमें रवि भारतीया और संगीता देवी भारतीया निवासीगण कब्रिस्तान वाली गली पुराना फाफामऊ थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज शामिल है। इन दोनों को थाना फाफामऊ पुलिस टीम द्वारा मंगलवार को थाना फाफामऊ क्षेत्रान्तर्गत पानी की टंकी के पास से गिरफ्तार किया गया।

अनीता गौतम निवासिनी शान्तिपुरम थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा आरोपी पलक हेला पत्नी मिजान निवासी थाना करेली कमिश्नरेट प्रयागराज तथा उसकी मां रिंकी हेला पत्नी मो0 शहबाज निवासी गड्हीया लीडर रोड थाना शाहगंज कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा 15 वर्षीय नाबालिग बेटी के अपहरण तथा जबरन बहला फुसलाकर थाना सिविल लाइन्स प्रयागराज स्थित इन्दिरा आईवीएफ में अवैध रूप से ओवा एक्सट्रैक्शन करवाने आदि के संबंध में थाना फाफामऊ पर तहरीर दी गई थी। जिसके सम्बन्ध में थाना फाफामऊ में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि इसके पहले इसी मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

डीएम की अध्यक्षता में सुरक्षित इंटरनेट दिवस से सम्बन्धित कार्यशाला का किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में सुरक्षित इंटरनेट दिवस से सम्बन्धित कार्यशाला सम्पन्न हुई। सर्व-प्रथम सहायक जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, द्वारा इस वर्ष की सुरक्षित इंटरनेट दिवस से सम्बन्धित थीम "स्मार्ट तकनीक, सुरक्षित विकल्प, एआई के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग" के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए ए0आई0 एवं इंटरनेट के सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति आम जन-मानस, शासकीय कार्यालयों, शिक्षण

संस्थानों, जन सेवा केन्द्रों, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के कार्यालयों, महिलाओं एवं युवाओं, अधिकारियों तथा कर्मचारियों को पी0पी0टी0 के माध्यम से जागरूक किया गया।

कार्यशाला में उपस्थित महिलाओं एवं आम नागरिकों द्वारा की गयी पृच्छाओं का विस्तृत तरीके से समाधान किया गया। उक्त के अतिरिक्त इंटरनेट के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना, साइबर स्वच्छता को प्रोत्साहित करना, प्रमुख साइबर खतरों एवं उनसे बचाव के उपायों की जानकारी देना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सुरक्षित, नैतिक एवं जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देना, कार्यशाला बैनर एवं क्यूआर कोड का उपयोग सुनिश्चित करना, ए0आई0 वॉयस क्लोनिंग धोखाधड़ी, डीपफेक वीडियो घोटाला, ए0आई0 चैटबॉट प्रतिरूपण, ए0आई0 जनित फिशिंग संदेश, नकली ए0आई0 निवेश, ओ0टी0पी0/गोपनीय जानकारी को किसी भी दशा में साक्षा न करें, वायस नोट्स, तस्वीरों और वीडियो की प्रमाणिकता अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाना।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

डीएम ने चिन्हित भूमाफियाओं के विरूद्ध गुण्डा एक्ट, गैंगस्टर एक्ट सहित अन्य धाराओं में कड़ी कार्यवाही करने के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को कैम्प कार्यालय में एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने सम्बंधित उपजिलाधिकारियों एवं सहायक पुलिस आयुक्तों को चिन्हित किए गए भूमाफियाओं के विरूद्ध कार्यवाही किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने चिन्हित भूमाफियाओं के विरूद्ध गुण्डा एक्ट, गैंगेस्टर एक्ट एवं अन्य धाराओं में कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। उन्होंने उपजिलाधिकारियों एवं सहायक पुलिस आयुक्तों को निर्देशित करते हुए कहा कि जो भी सक्रिय भूमाफिया है, उनको भी चिन्हित करते हुए उनके विरूद्ध कार्रवाई किए जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि यदि किसी के द्वारा सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण एवं कब्जा किया गया है, तो उसकी सूची उपलब्ध कराते हुए उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया है कि सभी विभाग इस बात का प्रमाणपत्र भी उपलब्ध करायें कि उनकी सरकारी जमीनों पर कोई अवैध कब्जा नहीं है। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों को 15 दिनों में तहसील टॉस्क फोर्स की बैठक कर भूमाफियाओं को चिन्हित करने तथा उनके द्वारा अतिक्रमण की गयी जमीन को खाली कराये जाने हेतु निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि जो भी असली भूमाफिया है, उनको चिन्हित करते हुए उनके विरूद्ध सुसंगत धाराओं में कड़ी कार्रवाई की जाये, कोई भी भूमाफिया कार्रवाई से बचने न पाये। उन्होंने कहा कि आभ्यासिक एवं बार-बार जिसके विरूद्ध जमीन पर कब्जा किए जाने की शिकायत

की गयी हो, ऐसे लोगो को शासनादेश के अनुक्रम में भूमाफिया के रूप में चिन्हित करते हुए उनके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि चिन्हित भूमाफियाओं को पोर्टल पर अपलोड करते अपडेट की भी कार्यवाही समय से सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी ने नगर निगम, जिला पंचायत, विकास प्राधिकरण, बेसिक शिक्षा, पीडब्लूडी सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि यदि कहीं पर भी उनसे सम्बंधित विभाग की सरकारी जमीन पर किसी व्यक्ति के द्वारा कब्जा किया गया है, तो तत्काल उसकी सूची उपलब्ध करायें तथा ऐसे लोगो के द्वारा अवैध रूप से कब्जा की गयी जमीन को मुक्त कराते हुए उनके विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों एवं सहायक पुलिस आयुक्तों को अभियान चलाकर सरकारी जमीनों पर किए गए कब्जें को मुक्त कराये जाने का निर्देश दिया है।

भूमाफिया के रूप में वकार अहमद पुत्र अब्दूल माबूद निवासी रसूलपुर, काशीपुर थाना पूरामुफ्ती, अरविंद कुमार केसरवानी पुत्र हीरा लाल केसरवानी निवासी प्रीतम नगर धूमनगंज, जसीम अहमद पुत्र अब्दुल खलिद निवासी अलका बिहार कालोनी बमरौली, प्रमोद कुमार केसवानी पुत्र साधों प्रसाद केसरवानी निवासी चायल पिपरी कौशाम्बी, जैद खालिद पुत्र अब्दुल खालिद निवासी अलका बिहार कालोनी बमरौली, राहिल सिद्दीकी पुत्र मोबीन सिद्दीकी निवासी पूरामुफ्ती, महमूद अक्तर पुत्र मो0 नसीम निवासी चफरी अटरामपुर नवाबगंज, अबु जैद पुत्र मो0 ईसा निवासी अलका बिहार बमरौली पोगहट, दिलशाद पुत्र इरशाद आलम निवासी मरियाडीह तहसील सदर, धीरेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र रामबरन सिंह, विकास सिंह पुत्र अयोध्या प्रसाद निवासी ग्राम पो0 सरभुजा भोजपुर बिहार, अमित कुमार शुक्ला पुत्र लक्ष्मीकांत शुक्ला निवासी सोहबतियाबाग चिन्हित किए गए है।

इस अवसर पर डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य, अपर जिलाधिकारी नजूल संजय पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी आपूर्ति, अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्रीमती पूजा मिश्रा, उपजिलाधिकारी, तहसीलदार सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

गड्ढों वाली व्यवस्था और खतरे में पड़ता जीवन

ललित गर्ग

प्रश्न यह नहीं है कि गड्ढे क्यों खोदे गए, प्रश्न यह है कि गड्ढे खोदकर लोगों को मौत के मुंह में धकेलने का अधिकार प्रशासन को किसने दिया। क्या विकास का अर्थ यह हो गया है कि सड़कों पर चलते हुए हर नागरिक अपनी जान हथेली पर रखे। क्या शहरों की चमक-दमक और बड़े-बड़े दावों के बीच आम आदमी का जीवन इतना सस्ता हो गया है कि उसकी मौत पर सिर्फ एक खबर छप जाए, दो दिन बहस हो और फिर सब कुछ सामान्य हो जाए।

गड्ढों में गिरी व्यवस्था में समाप्त होता जीवन आज के भारत की एक ऐसी विडंबना बन चुका है, जिसे देखकर मन भीतर तक सिहर उठता है। नोएडा में कार सवार युवा इंजीनियर की गड्ढे में गिरकर मौत का दर्द अभी समाज के मन से उतरा भी नहीं था कि दिल्ली में बाइक सवार युवक की जान एक खुले गड्ढे ने लील ली। दोनों घटनाओं में समानता यह है कि गड्ढे प्रशासन द्वारा विकास या मरम्मत के नाम पर खोदे गए थे और दोनों जगह न तो कोई बैरिकेडिंग थी, न चेतावनी बोर्ड, न रोशनी की व्यवस्था। मानो व्यवस्था ने पहले गड्ढा खोदा और फिर निश्चिंत होकर वहां से हट गई कि अब जो होगा, वह नागरिक की किस्मत है। यही वह सोच है जो किसी भी समाज को भीतर से खोखला कर देती है।

प्रश्न यह नहीं है कि गड्ढे क्यों खोदे गए, प्रश्न यह है कि गड्ढे खोदकर लोगों को मौत के मुंह में धकेलने का अधिकार प्रशासन को किसने दिया। क्या विकास का अर्थ यह हो गया है कि सड़कों पर चलते हुए हर नागरिक अपनी जान हथेली पर रखे। क्या शहरों की चमक-दमक और बड़े-बड़े दावों के बीच आम आदमी का जीवन इतना सस्ता हो गया है कि उसकी मौत पर सिर्फ एक खबर छप जाए, दो दिन बहस हो और फिर सब कुछ सामान्य हो जाए। यह सामान्य हो जाना ही सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि जब मौतें सामान्य लगने लगें, तब व्यवस्था की संवेदनशीलता मर चुकी होती है।

दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदा गया गड्ढा हो या नोएडा की किसी एजेंसी का, जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया हर बार एक जैसी रहती है। अफसर निलंबित कर दिए जाते हैं, जांच समितियां बना दी जाती हैं, 24 या 48 घंटे में रिपोर्ट देने की घोषणा होती है और कुछ समय बाद वही फाइलें धूल फांकने लगती हैं। निलंबन और जांच अब समाधान नहीं, बल्कि एक औपचारिक रस्म बन गई है। सवाल यह है कि क्या निलंबन से मरे हुए बेटे लौट आते हैं, क्या जांच समितियों से टूटे हुए परिवार फिर से जुड़ जाते हैं। जब तक जवाबदेही केवल कागजों पर सिमटी रहेगी, तब तक गड्ढों में गिरती जिंदगियां यूं ही व्यवस्था का शिकार बनती रहेंगी।

इस पूरी तस्वीर का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बड़े शहरों में ऐसी घटनाएं कम से कम चर्चा में तो आती हैं, मीडिया सवाल तो उठाता है, लेकिन छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में यही गड्ढे रोज जिंदगियां निगल रहे हैं और खबर तक नहीं बनते। वहां न कैमरा पहुंचता है, न कोई प्रतिनिधि, न कोई जांच समिति। वहां मौतें सिर्फ परिवारों की निजी त्रासदी बनकर रह जाती हैं। क्या नागरिक का मूल्य शहर के आकार से तय होगा। क्या महानगरों का नागरिक ज्यादा कीमती है और छोटे शहरों का नागरिक सस्ता। यह असमानता केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि संवेदनाओं की भी है।

हम एक ओर विकसित भारत, सशक्त भारत, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की बात करते हैं, दूसरी ओर हमारी सड़कों पर खुले गड्ढे हमें आईना दिखाते हैं। विकास की रफ्तार तेज हो सकती है, लेकिन यदि उस रफ्तार में सुरक्षा, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना नहीं जुड़ी, तो वह रफ्तार विनाश की ओर ही ले जाएगी। यह विडंबना ही है कि हम स्मार्ट सिटी की बातें करते हैं, लेकिन स्मार्ट बैरिकेडिंग, स्मार्ट चेतावनी और स्मार्ट जिम्मेदारी पर बात करना भूल जाते हैं। तकनीक के युग में भी एक साधारण चेतावनी बोर्ड लगाना हमारे तंत्र को याद नहीं रहता।

दरअसल समस्या केवल लापरवाही की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की है जिसमें नागरिक को एक आंकड़ा समझ लिया गया है। फाइलों में वह एक केस नंबर है, सड़क पर वह एक बाधा और हादसे के बाद वह एक आंकड़ा। जब तक प्रशासन और शासन की दृष्टि में नागरिक का जीवन सर्वोपरि मूल्य नहीं बनेगा, तब तक हर नया गड्ढा एक नई मौत की संभावना बनकर खड़ा रहेगा। सवाल यह भी है कि क्या इन गड्ढों के लिए कभी उच्च स्तर पर नैतिक जिम्मेदारी तय होगी। क्या कभी ऐसा होगा कि किसी बड़े पद पर बैठे व्यक्ति से पूछा जाए कि आपके विभाग की लापरवाही से एक जान गई, इसलिए आप पद पर बने रहने के नैतिक अधिकारी नहीं हैं।

भ्रष्ट शासन के समाप्त होने की बड़ी-बड़ी घोषणाएं हर चुनाव में सुनाई देती हैं। पोस्टर बदलते हैं, नारे बदलते हैं, लेकिन जमीन पर गड्ढे वैसे ही रहते हैं। यदि भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने तक सीमित होता तो शायद उसे पहचानना आसान होता, लेकिन यह जो संवेदनहीन भ्रष्टाचार है, जहां नियमों की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और समय पर काम पूरा न करना शामिल है, यह ज्यादा खतरनाक है। इसमें पैसा दिखता नहीं, लेकिन इसकी कीमत किसी की जान से चुकानी पड़ती है।

आज जब हम अमृत काल और शताब्दी वर्ष में नए भारत की कल्पना कर रहे हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा हो जाता है कि क्या खुले गड्ढों वाला देश महान बन सकता है। क्या वह देश विकसित कहलाने योग्य है, जहां नागरिक रात को सड़क पर निकलते समय यह दुआ करे कि कहीं कोई गड्ढा उसकी जिंदगी न छीन ले। विकास केवल पुलों, सड़कों और इमारतों से नहीं मापा जाता, बल्कि इस बात से मापा जाता है कि आम आदमी खुद को कितना सुरक्षित महसूस करता है। यदि सुरक्षा का भरोसा नहीं, तो सारी उपलब्धियां खोखली हैं। गड्ढों में गिरी व्यवस्था केवल सड़कों की समस्या नहीं है, यह हमारे शासन तंत्र की नैतिक गिरावट का प्रतीक है। यह उस दूरी को दिखाता है जो सत्ता और नागरिक के बीच बढ़ती जा रही है। जब तक हर गड्ढे को सिर्फ तकनीकी खामी समझा जाएगा और हर मौत को दुर्भाग्य कहकर टाल दिया जाएगा, तब तक यह सिलसिला रुकेगा नहीं। जरूरत इस बात की है कि हर गड्ढा एक सवाल बने, हर मौत एक चेतावनी और हर लापरवाही एक अपराध मानी जाए।

कब ये गड्ढे भरेंगे, कब व्यवस्था की दरारें बंद होंगी और कब विकास की दौड़ में भागता देश यह भरोसा पाएगा कि वह सुरक्षित हाथों में है, यह सवाल आज हर नागरिक के मन में है। शायद उस दिन हम सचमुच कह सकेंगे कि हमारा देश महान बनने की राह पर है। अभी तो लगता है कि हम महान नहीं, बल्कि परेशान हैं और यह परेशानी सिर्फ गड्ढों की नहीं, गड्ढों में गिरती संवेदनाओं की है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

दिल्ली के लापता लोग

पिछले दिनों इस खबर ने दिल्ली और देश के लोगों को चौंकाया कि इस साल जनवरी माह में ही देश की राजधानी में 800 लोग लापता पाए गए, जिसमें महिला, बच्चे व अन्य वयस्क भी शामिल हैं। जैसा कि स्वाभाविक था दिल्ली में लापता लोगों का आंकड़ा सामने आने के बाद आम लोगों में चिंता व्याप्त हो गई। प्रशासनिक स्तर पर भी इस समस्या की ओर अधिकारियों का ध्यान गया। बेलगाम सोशल मीडिया पर तो इन आंकड़ों पर अपनी-अपनी सुविधा और राजनीतिक हितों के मद्देनजर व्याख्या और बयानबाजी सामने आने लगी। पब्लिक फोरम पर कहा जाने लगा कि यह दिल्ली की कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद घर से निकलने के बाद सुरक्षा इंतजामों को लेकर तमाम तरह की सलाहें दी जाने लगीं। कुछ लोग देश के सिस्टम पर सवाल खड़े करने लगे। कुछ लोगों में भय से जुड़ी प्रतिक्रिया भी सामने आई। लेकिन इस बाबत दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आंकड़े भी अधिक चिंता बढ़ाने वाले नजर आए। प्रथम दृष्टया यह खबर परेशान करने वाली है, लेकिन पड़ताल में पाया गया कि यह स्थिति पिछले कुछ सालों के आंकड़ों के ही अनुरूप है। अगर हम पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर नजर डालें तो यह स्थिति की पुनरावृत्ति ही है। लेकिन यदि बीते कुछ सालों में लापता होने वाले लोगों की संख्या पर नजर डालें तो कहा जाता है कि इस साल जनवरी में सामने आई लापता लोगों की संख्या ज्यादा नहीं है। इस बाबत दिल्ली पुलिस का कहना है कि जनवरी 26 में कुल 1,777 लोगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। प्रथम दृष्टया यह संख्या भले ही बढ़ी लगे, लेकिन जब पिछले दो सालों के आंकड़ों से इसकी तुलना की जाती है तो नई तस्वीर उभरती है। दरअसल, इन आंकड़ों की तह में जाएं तो दिल्ली का विशाल इलाका व सघन जनसंख्या घनत्व भी इसके मूल में है। दरअसल, एक बड़ी आबादी रोजगार व अन्य कार्यों के लिए दिल्ली आती-जाती रहती है। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में करीब 24,893 लोग लापता हुए थे। यानी एक माह में औसतन 2,074 लोग। वहीं साल 2025 में ये संख्या 24,508 लोग लापता हुए। अर्थात्‌ हर माह 2,042 लोग गुम हुए। इस दृष्टि से जनवरी, 26 का आंकड़ा इस संख्या से कम है। सवाल है कि 2026 के पहले माह के आंकड़ों को लेकर भय क्यों व्याप्त हुआ? दरअसल, पहले पंद्रह दिनों के आंकड़ों के हिसाब से दिल्ली में हर रोज 54 लोग लापता हो रहे थे। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद लोगों ने इसके मूल में किसी संकट को देखा। दिल्ली पुलिस के अनुसार ये आंकड़े स्थायी गुमशुदगी के नहीं होते। कुछ लोग अल्पकाल के लिए कहीं चले जाते हैं और देर रात तक घर भी लौट आते हैं। पुलिस का यह भी कहना है कि राष्ट्रीय राजधानी में ऑनलाइन और ऐप आधारित सिस्टम के जरिये लोग जल्दबाजी में अपने परिजनों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करा देते हैं।

चिंतन-मनन

समय का चक्र

जब तुम्हें लगता है कि समय बहुत कम है, तुम या तो बेचैन होते हो या अत्यन्त सजगता की अवस्था में होते हो। दुखी या उत्सुक होने पर तुम्हें समय बहुत लम्बा लगता है। जब तुम प्रसन्न हो और जो कुछ कर रहे हो, उसमें आनंद आ रहा है, तब तुम्हें समय का आभास नहीं होता। इसी प्रकार, नींद में भी तुम्हें समय का आभास नहीं होता। जब तुम समय से आगे हो, समय कटता ही नहीं और नीरसता अनुभव होती है। जब समय तुम्हारे आगे है, तब तुम आश्चर्यचकित और स्तब्ध होते हो। तुम घटनाओं को आत्मसात नहीं कर पाते। गहन ध्यान में तुम ही समय हो और सब कुछ तुम्हारे ही अन्दर घटित हो रहा है। घटनाएं तुममें ऐसे घट रही हैं, जैसे आसमान में बादल गुजरते हैं। जब तुम समय के साथ होते हो, तुम ज्ञानी हो, तुम्हारा मन शांत है। जब मन प्रसन्न होता है, तब वह विस्तृत होता है, तब समय भी बहुत छोटा लगता है। जब मन दुखी होता है, संकुचित होता है, तब समय बहुत लंबा प्रतीत होता है। जब मन समचित्त है, स्थिर है, तब वह काल के परे है। इन दोनों स्थितियों से बचने के लिए कई व्यक्ति शराब या निद्रा का सहारा लेते हैं, परंतु जब मन जड़ या बेसुध होता है, तब वह अपनी ही अनुभूति नहीं कर सकता। समाधि ही असल शांति है, जो मन और समय के परे है। जैसे मन समय को अनुभव करता है, वैसे इस क्षण का भी अपना एक मन है। एक विराट मन, जिसमें व्यवस्था करने की अपरिमित और असीम योग्यता है। एक विचार और कुछ नहीं, समय के इस क्षण में एक तरंग है और समाधि के कुछ ही पल मन को ऊर्जा से भर देते हैं। निद्रावस्था के पहले और जिस पल तुम नींद से जगाते हो, सचेतनता के उन धूमिल क्षणों में, समय के परे जाने का अनुभव करो। जीवन साकार व निराकार का मिश्रण है। भावनाओं का कोई आकार नहीं परंतु उनकी अभिव्यक्ति साकार होती है। आत्मा का कोई रूप नहीं परंतु उसका निवास साकार में है। इसी तरह, ज्ञान और कृपा का भी कोई रूप नहीं, लेकिन उनकी अभिव्यक्ति किसी रूप द्वारा ही होती है। निराकार को हटा देने से तुम जड़ बनते हो- सांसारिक और संवेदनशील। आकार को छोड़ देने से तुम एक भ्रमित तपस्वी, अत्यधिक सपने देखने वाले या भावनात्मक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति बन जाते हो।

मेलों में मौत के झूले: खुशी के टिकट पर बिकती ज़िंदगी

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा के सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय मेले में झूला टूटने की घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि हमारे यहाँ मनोरंजन भी जान जोखिम में डालकर ही किया जाता है। जिस मेले को संस्कृति, कला और पर्यटन का उत्सव कहा जाता है, वही मेला एक पल में चीखों, अफरातफरी और मातम में बदल गया। झूले के अचानक टूटकर गिरने से एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गई और तेरह लोग गंभीर रूप से घायल हुए। यह सिर्फ़ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का परिणाम है जहाँ सुरक्षा सबसे आखिरी प्राथमिकता बन चुकी है।

मेलों में झूले हमेशा से आकर्षण का केंद्र रहे हैं। बच्चों की हँसी, युवाओं का उत्साह और परिवारों की उम्मीदें-सब कुछ इन झूलों से जुड़ा होता है। लेकिन जब यही झूले मौत का कारण बन जाएँ, तो सवाल केवल तकनीकी खराबी का नहीं रहता, बल्कि पूरे प्रशासनिक ढाँचे की लापरवाही उजागर हो जाती है। सूरजकुंड हादसा अचानक नहीं हुआ। यह उस लापरवाही की परिणति है, जिसे सालों से "चलने दो" कहकर नजरअंदाज किया जाता रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसे झूलों की अनुमति कैसे दी जाती है? क्या इनके फिटनेस सर्टिफिकेट की कोई गंभीर जाँच होती है या फिर कुछ कागजों और हस्ताक्षरों से ही सब कुछ "मैनेज" कर दिया जाता है? हर बड़े मेले से पहले प्रशासन सुरक्षा के दावे करता है-ड्यूटी पर पुलिस, एंबुलेंस, दमकल वाहन-लेकिन झूलों की तकनीकी जाँच अक्सर औपचारिकता भर बनकर रह जाती है। जिस मशीन पर दर्जनों ज़िंदगियाँ झूल रही हों, उसकी गुणवत्ता, मेंटेनेंस और ऑपरेटर की ट्रेनिंग पर कोई सख़्त निगरानी क्यों नहीं होती?

यह पहली बार नहीं है जब किसी मेले या मनोरंजन पार्क में झूला गिरने से मौतें हुई हों। देश के अलग-अलग राज्यों में समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहे हैं-कहीं बच्चों की जान गई, कहीं महिलाएँ घायल हुईं, कहीं पूरा परिवार उजड़ गया। हर बार वही कहानी दोहराई जाती है-जाँच के आदेश, मुआवजे की घोषणा और कुछ दिनों का शोर। फिर सब कुछ भुला दिया जाता है, अगली दुर्घटना तक।

सूरजकुंड हादसे में एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत होना इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। जो व्यक्ति जनता की सुरक्षा के लिए तैनात था, वही स्वयं व्यवस्था की लापरवाही का शिकार हो गया। यह घटना प्रतीक है उस विडंबना की, जहाँ सुरक्षा देने वाला भी सुरक्षित नहीं है। सवाल यह है कि अगर एक अधिकारी की जान यूँ ही चली गई, तो आम नागरिक की सुरक्षा की क्या गारंटी है?

प्रशासन अक्सर ठेकेदारों पर दोष मढ़कर पल्ला झाड़ लेता है। कहा जाता है कि झूला निजी संचालक का था, मेंटेनेंस उसकी ज़िम्मेदारी थी। लेकिन क्या प्रशासन की ज़िम्मेदारी वहीं खत्म हो जाती है? क्या बिना कड़ी जाँच के किसी भी ठेकेदार को मौत के झूले लगाने की खुली छूट दी जा सकती है? अगर हाँ, तो फिर हादसे के बाद सिर्फ़ ठेकेदार को दोषी ठहराना एक तरह का धोखा ही है।

असल में यह समस्या सिस्टम की है। मेले अस्थायी होते हैं, लेकिन लापरवाही स्थायी। सुरक्षा मानकों को "अतिरिक्त खर्च" समझा जाता है और मुनाफे को सबसे ऊपर रखा जाता है। झूले पुराने होते हैं, कई बार दूसरे राज्यों से लाकर बिना समुचित जाँच के लगा दिए जाते हैं। ऑपरेटर अक्सर अप्रशिक्षित होते हैं, जिन्हें न मशीन की तकनीक की समझ होती है और न आपात स्थिति से निपटने की ट्रेनिंग।

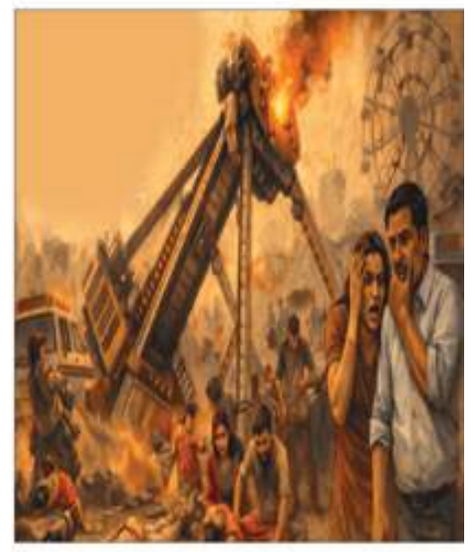

दुखद यह भी है कि हादसे के बाद प्रशासन की संवेदनशीलता केवल मुआवजे की घोषणा तक सीमित रह जाती है। मृतक के परिवार को कुछ लाख रुपये देकर समझ लिया जाता है कि जिम्मेदारी पूरी हो गई। लेकिन क्या किसी की जान की कीमत कुछ लाख रुपये हो सकती है? क्या मुआवजा उस दर्द, उस खालीपन और उस अन्याय की भरपाई कर सकता है? सवाल यह भी है कि क्या हमारे यहाँ मनोरंजन का मतलब ही जोखिम बन गया है? क्या मेले, झूले और उत्सव आम आदमी के लिए "आजमाइश" की जगह बन चुके हैं-जहाँ ज़िंदा लौटना भी किस्मत पर निर्भर हो? यह सोच किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है।

सूरजकुंड मेला अंतरराष्ट्रीय पहचान रखता है। देश-विदेश से लोग यहाँ आते हैं। अगर ऐसे प्रतिष्ठित आयोजन में सुरक्षा का यह हाल है, तो छोटे कस्बों और गाँवों के मेलों की स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। वहाँ न जाँच होती है, न एंबुलेंस समय पर पहुँचती है और न ही किसी की जवाबदेही तय होती है। अब जरूरत है केवल संवेदना जताने की नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई की। हर मेले और मनोरंजन आयोजन के लिए सख़्त सुरक्षा मानक तय होने चाहिए। झूलों की तकनीकी जाँच स्वतंत्र विशेषज्ञों से कराई जाए, न कि औपचारिक समितियों से। ऑपरेटरों की ट्रेनिंग अनिवार्य हो और ज़रा-सी लापरवाही पर लाइसेंस रद्द किया जाए। सबसे अहम बात-हादसे की स्थिति में सिर्फ़ मुआवजा नहीं, बल्कि आपराधिक ज़िम्मेदारी भी तय की जाए।

आज सूरजकुंड में झूला गिरा है। कल यह किसी और मेले में गिरेगा, अगर हमने अभी भी आँखें मूँद रखीं। सवाल यह नहीं है कि अगला हादसा कहाँ होगा, सवाल यह है कि क्या हम हर बार मौत के बाद ही जागेंगे? मेलों का मकसद खुशी बाँटना होता है, मौत नहीं। लेकिन जब खुशी के टिकट पर ज़िंदगी बिकने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि यह सिर्फ़ हादसा नहीं, एक अपराध है-और उस अपराध की ज़िम्मेदारी तय करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखिका पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं)

बोफोर्स से ट्रेड डील तक का सफर और बदलते भारत में कांग्रेस की ठहरी हुई सोच

कांतिलाल मांडोत

संसद के उच्च सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक घंटे अड़तीस मिनट का भाषण केवल एक राजनीतिक जवाब नहीं था, बल्कि वह पिछले सात दशकों की राजनीतिक संस्कृति और बीते ग्यारह वर्षों में बदले भारत के आत्मविश्वास का आईना था। विपक्ष के शोर, नारेबाजी और वॉकआउट के बीच दिया गया यह उद्बोधन इस सवाल को फिर से केंद्र में ले आया कि देश आज किस दिशा में खड़ा है और कौन-सी सोच उसे आगे बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री का "बोफोर्स डील से ट्रेड डील तक" का कथन दरअसल एक पूरे युगांतरण का प्रतीक है, जिसमें भारत ने घोटालों, नीतिगत जड़ता और वैश्विक अविश्वास के दौर से निकलकर आत्मनिर्भरता, वैश्विक साझेदारी और आर्थिक महत्वाकांक्षा की राह पकड़ी है।

कांग्रेस की राजनीति लंबे समय से सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानती रही है। आजादी के बाद दशकों तक केंद्र और अनेक राज्यों में शासन करने के बावजूद कांग्रेस देश को वह निर्णायक नेतृत्व नहीं दे पाई, जिसकी जरूरत थी। बोफोर्स घोटाला केवल एक रक्षा सौदे का मामला नहीं था, बल्कि वह उस मानसिकता का प्रतीक था जिसमें सत्ता, परिवार और हितों की गठजोड़ ने राष्ट्रीय हितों को पीछे छोड़ दिया। उसी दौर में भारत वैश्विक मंच पर एक ऐसा देश था, जिससे समझौते करने में दुनिया हिचकती थी और जिसकी अर्थव्यवस्था सहायता और कर्ज पर टिकी मानी जाती थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में ठीक ही कहा कि कांग्रेस, टीएमसी या डीएमके जैसी पार्टियां दशकों तक सत्ता में रहीं, फिर भी देश उन्हें किस उपलब्धि से याद करता है, यह प्रश्न आज भी अनुत्तरित है। इसके उलट, बीते ग्यारह वर्षों में भारत की तस्वीर बदली है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ चुका है, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उसकी भूमिका मजबूत हुई है और बड़े-बड़े देश भारत के साथ व्यापार समझौतों के लिए उत्सुक हैं। यूरोपीय यूनियन से लेकर अमेरिका तक के साथ हो रही ट्रेड डील्स इस बदले हुए भरोसे का प्रमाण हैं।

कांग्रेस की समस्या केवल नीतियों तक सीमित नहीं है, उसकी भाषा और संस्कार भी सवालों के घेरे में हैं। "मोदी तेरी कब्र खुदेगी" जैसे नारे न केवल राजनीतिक असहमति की मर्यादा को तोड़ते हैं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का भी अपमान करते हैं। प्रधानमंत्री ने सही पूछा कि यह कैसी "मोहब्बत की दुकान" है, जिसमें किसी निर्वाचित प्रधानमंत्री की कब्र खोदने की बात की जाती है। यह भाषा बताती है कि कांग्रेस आज भी नकारात्मकता और व्यक्तिगत द्वेष की राजनीति में उलझी हुई है, जबकि देश सकारात्मक एजेंडे और भविष्य की बात करना चाहता है।

कांग्रेस के "युवराज" द्वारा एक सिख सांसद को गद्दार कहने का उल्लेख भी इसी मानसिकता की ओर इशारा करता है। यह केवल एक व्यक्ति पर टिप्पणी नहीं, बल्कि पूरे सिख समुदाय और उनके गुरुओं का अपमान है। जिस पार्टी ने लंबे समय तक खुद को समावेशिता और सेक्युलरिज्म का ठेकेदार बताया, वही आज पहचान की राजनीति और विभाजनकारी बयानबाजी में फंसी दिखती है। प्रधानमंत्री का यह कहना कि यह सिखों और गुरुओं का अपमान है, केवल राजनीतिक आरोप नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी भी है।

विकसित भारत की कल्पना करने वाली सरकार और कांग्रेस की सोच में मूलभूत अंतर है। मोदी सरकार मानती है कि 140 करोड़ भारतीय समस्याएं नहीं, बल्कि संभावनाएं हैं। इसके विपरीत, नेहरू-इंदिरा काल की वह सोच थी जिसमें जनसंख्या को समस्या के रूप में देखा जाता था। यह दृष्टिकोण ही नीति निर्माण को दिशा देता है। जब नेतृत्व जनता पर भरोसा करता है, तो परिणाम जनभागीदारी, स्टार्टअप संस्कृति, डिजिटल क्रांति और बुनियादी ढांचे के तेज विकास के रूप में सामने आते हैं। अनुच्छेद 370 का हटाया जाना भी इसी निर्णायक नेतृत्व का उदाहरण है। दशकों तक जिसे असंभव बताया गया, उसे राजनीतिक इच्छाशक्ति ने संभव कर दिखाया। यह केवल एक संवैधानिक कदम नहीं था, बल्कि यह संदेश था कि भारत अब साहसिक फैसलों से नहीं हिचकता। कांग्रेस इसे आज भी अपने पुराने चश्मे से देखती है, क्योंकि वह बदलाव की राजनीति को स्वीकार नहीं कर पाई है।

ट्रेड डील के संदर्भ में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत-अमेरिका संबंध एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं। आयात शुल्क में कटौती, संयुक्त बयान और संभावित हस्ताक्षर केवल आर्थिक आंकड़े नहीं हैं, बल्कि यह उस भरोसे का संकेत हैं जो दुनिया आज भारत पर कर रही है। कभी जिस भारत को समझौतों की मेज पर जगह पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता था, आज वही भारत शर्तें तय करने की स्थिति में है।

कांग्रेस की विडंबना यह है कि वह इस बदलाव को स्वीकार करने के बजाय उसे नकारने में ऊर्जा खर्च कर रही है। प्रधानमंत्री की कुर्सी को अपनी जागीर मानने वाली मानसिकता आज भी उसे परेशान करती है। उसे यह सवाल कचोटता है कि एक साधारण पृष्ठभूमि से आया व्यक्ति देश का नेतृत्व कैसे कर सकता है। यही असहजता उसकी बयानबाजी में झलकती है, चाहे वह "कब्र" जैसे शब्द हों या व्यक्तिगत आरोप।

आज का भारत भावनाओं से नहीं, तथ्यों और परिणामों से बात करता है। ग्यारह वर्षों में सड़कों, रेल, डिजिटल भुगतान, रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष और कूटनीति में जो बदलाव आए हैं, ये किसी प्रचार का नहीं, बल्कि नीतिगत निरंतरता और कर्मनिष्ठा का परिणाम हैं। प्रधानमंत्री मोदी का विश्वसत्ता की ओर भारत को ले जाने का लक्ष्य केवल सपना नहीं, बल्कि स्पष्ट रोडमैप पर आधारित है।

अंततः यह बहस केवल मोदी बनाम कांग्रेस की नहीं है, बल्कि पुरानी और नई सोच की है। एक ओर वह राजनीति है जो अतीत के घोटालों, परिवारवाद और नकारात्मक नारों से बाहर नहीं निकल पा रही, और दूसरी ओर वह नेतृत्व है जो आत्मविश्वास, सत्यनिष्ठा और परिश्रम के बल पर भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाना चाहता है। बोफोर्स से ट्रेड डील तक का यह सफर बताता है कि देश ने रास्ता चुन लिया है। अब सवाल यह है कि कांग्रेस कब अपने भीतर झांककर यह समझेगी कि भारत बदल चुका है, और राजनीति को भी बदलना होगा।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का

एकाकी परिवारों ने बढ़ाया मोबाइल एडिक्शन का चलन - न्यायमूर्ति विपिन दीक्षित

विदाई समारोह में छात्र छात्राओं को राजमणि शास्त्री की सीख, जीवन में कभी पराजित न महसूस करें

हनुमान प्रसाद शुक्ल
सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। कसारी कौड़िहार स्थित एल पी त्रिपाठी स्मारक पूर्व माध्यमिक विद्यालय में आयोजित संगोष्ठी समारोह में युवाओं के भविष्य पर चिंता जाहिर की गई। 'युवाओं के समक्ष चुनौतियां' विषयक गोष्ठी व सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति विपिन चन्द्र दीक्षित ने कहा कि सफलता का कोई शार्टकट नहीं है। इसलिए विद्यार्थियों को अपनी रूचि के अनुसार पढ़ाई पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।

न्यायमूर्ति दीक्षित ने विद्यार्थियों को समझाते हुए कहा कि अगर आप अपने माता-पिता का सम्मान नहीं कर सकते हैं तो जीवन में कोई उपलब्धि अर्जित नहीं कर पाएंगे। जो शिक्षक बच्चों को डांट-फटकार करते हैं, वह बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए करते हैं। इसलिए अभिभावकों को भी शिक्षकों की डांट फटकार का अन्यथा नहीं लेना चाहिए।

न्यायमूर्ति दीक्षित ने कहा कि आज के जमाने में विद्यार्थियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती सोशल मीडिया की है, जिससे दूर रहकर ही सफलता पाई जा सकती है। कहा कि दुर्भाग्य से यह एकल परिवारों की वजह से हुआ है जिससे अकेलेपन को दूर करने के लिए अभिभावकों ने खुद बच्चों को मोबाइल पकड़ा दिया है। जिसका दुष्परिणाम यह है कि बच्चे मोबाइल एडिक्शन के शिकार हो रहे हैं और पूरा समाज इससे प्रभावित हुआ है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए ग्राम सेवा इंटरमीडिएट कॉलेज के संस्थापक राजमणि शास्त्री ने विद्यार्थियों को कभी भी पराजय न स्वीकार के लिए प्रेरित किया। कहा, कैसी भी परिस्थिति हो, विद्यार्थियों को डिप्रेशन में जाने से बचना चाहिए। समारोह को अशासकीय स्ववित्तपोषित विद्यालय महासंघ के अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार मिश्र, प्रभु चिकित्सालय के संचालक डॉ आशुतोष मिश्र ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन कपिल त्रिपाठी और आभार प्रदर्शन संस्था के प्रबंधक गोविंद प्रसाद त्रिपाठी ने किया। इस दौरान क्षेत्र के वरिष्ठ शिक्षाविदों, चिकित्सक, और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान करने वाले आधा दर्जन लोगों को सम्मानित भी किया गया। प्रधानाचार्य शिवप्रसाद त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों को शाल श्रीफल और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

कौशाम्बी पुलिस टीम को सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जनवरी माह की सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में कौशाम्बी पुलिस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के 75 जनपदों में दूसरी रैंक प्राप्त की है। प्रत्येक माह प्रदेश सरकार द्वारा निम्नांकित बिन्दुओं पर गहन समीक्षा करते हुए जनपदों को रैंकिग प्रदान की जाती है । अपराध नियंत्रण, अभियोगों के गुणवत्तापूर्ण, त्वरित निस्तारण, महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, ट्रैफिक प्रबंधन, यातायात जागरुकता कार्यक्रम, जनता के प्रति संवेदनशील रवैया, साइबर अपराध नियंत्रण, साइबर जागरुकता कार्यक्रम, मिशन शक्ति आदि अन्य प्राथमिकताओं में जनपद कौशाम्बी पुलिस का प्रदर्शन सराहनीय रहा है। कानून व्यवस्था और जनसेवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इस उपलब्धि पर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा जनपद कौशाम्बी की पुलिस टीम को बधाई दी गयी।

चोरी के 2 मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जीआरपी प्रयागराज पुलिस टीम के रेलवे स्टेशन प्रयागराज के प्लेटफार्म नं0 1 दिल्ली इण्ड के पास से समय करीब 11.35 बजे अन्तर्गत धारा 305 (उ), 317 (2) बी एन एस शातिर अभियुक्त वाहिद उर्फ सलमान को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि उसके कब्जे से चोरी की दो अदद मोबाइल बरामद किया गया है। लिखापढ़ी के बाद उसे जेल भेज दिया गया।

इसी प्रकार एक वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक जीआरपी अकलेश कुमार सिंह ने बताया कि एक चोर व एक वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

घर के अन्दर फंदे से लटका मिला युवक का शव

प्रयागराज।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में धूमनगंज थाना क्षेत्र के सुलेम सराय बाजार में सोमवार रात एक युवक का शव घर के अन्दर फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की।

पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि सोमवार रात धूमनगंज थाना क्षेत्र के सुलेम सराय बाजार निवासी सूरज गुप्ता (25) पुत्र दीपक गुप्ता का शव घर के अन्दर फंदे से लटका पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है फिर भी मृत्यु का स्पष्ट कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

पूछताछ के दौरान परिवार के लोगों ने बताया कि एक दुकान के सहारे अपना खर्च चलाता था। वह तीन भाइयों में छोटा था। करीब छह महीने पूर्व एक युवती से लव मैरेज शादी की थी।

श्मशान घाट में लहूलुहान अवस्था में मिला 30 वर्षीय व्यक्ति का शव, हत्या की आशंका

नोएडा।

उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना सूरजपुर क्षेत्र के डेल्टा -2 सेक्टर में स्थित श्मशान घाट में आज सुबह एक 30 वर्षीय व्यक्ति का लहूलुहान शव पुलिस को मिला है।

5 साल की मासूम की गला दबा कर हत्या

सीतापुर।

सीतापुर के बिसवां कोतवाली क्षेत्र में सोमवार देर रात इंसानियत को झकझोर देने वाली वारदात सामने आई। दोपहर से लापता 5 वर्षीय मासूम बच्ची का शव गांव के बाहर स्थित एक झोपड़ी में खून से लथपथ हालत में मिलने से पूरे इलाके में तनाव फैल गया।

संध्या पुत्री रामशरण सोमवार दोपहर करीब 4 बजे अचानक लापता हो गई थी। बच्ची के न मिलने पर परिजनों ने शाम करीब 6 बजे से ग्रामीणों के साथ तलाश शुरू की, लेकिन देर रात गांव के बाहर बनी एक झोपड़ी से जब उसका शव बरामद हुआ तो चीख-पुकार मच गई।

नोएडा एयरपोर्ट तैयार : मुख्य सचिव ने एक्स पर बताया परखी गई यात्री सुविधा

नोएडा।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। यहां टर्मिनल बिल्डिंग से लेकर एयरपोर्ट सर्विलांस रडार और नेविगेशन सिस्टम तक हर प्रकार के उपकरण की व्यवस्था हो चुकी है। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव एसपी गोयल ने अपने एक्स हैंडल पर एयरपोर्ट के कार्य प्रगति का वीडियो भी साझा किया।

मुख्य सचिव की ओर से एक्स पर साझा किए गए वीडियो में एयरपोर्ट के संचालन के लिए जरूरी हर पहलु की प्रगति के बारे में बताया गया है इनमें एयरपोर्ट की एक्सिस रोड से लेकर ईंधन टैंक, ऑपरेशन सेंटर, जल और सीवेज व्यवस्था, चेक पोस्ट, टर्मिनल बिल्डिंग, घरेलू टर्मिनल काउंटर, ईगेट्स, बैगेज हैंडलिंग, लाउंज, विमानों

को खड़ा करने के लिए एप्रन, कार्गो टर्मिनल, सोलर फॉर्म, एटीसी, ग्राउंड हैंडलिंग के वाहनों के लिए सीएनजी पंप, ईवी चार्जिंग स्टेशन, रनवे, नेविगेशन सिस्टम, टेक्सी-वे इत्यादि के कार्यों को दशार्या गया है।

कुल मिलाकर अब एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। सिर्फ एयरोड्रम लाइसेंस से संबंधित औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं, जो अंतिम चरण में बताई गई हैं। एयरपोर्ट का प्रथम चरण कुल 1334 हेक्टेयर में विकसित हुआ है। एयरपोर्ट के रनवे पर दिसंबर 2024 में इंडिगो के यात्री विमान को उतारकर ट्रायल किया गया था, जो सफल रहा था। वर्ष 2025 में अक्तूबर अंत और नवंबर के पहले सप्ताह में भी रनवे पर छोटे विमान को उतारकर उपकरणों को परखा गया था।

अदलपुरा शीतला धाम में पार्किंग के नाम पर श्रद्धालुओं से की जा रही मनमानी वसूली

मीरजापुर।

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में चुनार कोतवाली क्षेत्र के अदलपुरा स्थित बड़ी शीतला माता मंदिर परिसर में वाहन पार्किंग के नाम पर श्रद्धालुओं से खुलेआम मनमानी वसूली का मामला सामने आया है। आरोप है कि पार्किंग संचालक सड़क पर अवैध रूप से बैरियर लगाकर मंदिर दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं से जबरन पैसे वसूल रहे हैं।

श्रद्धालुओं के अनुसार, दो पहिया वाहन से 20 रुपये और चार पहिया वाहन से 50 रुपये की अवैध वसूली की जा रही है, जबकि पार्किंग स्थल पर कहीं भी निर्धारित रेट का बोर्ड नहीं लगाया गया है।

इससे श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। कई श्रद्धालुओं ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर पार्किंग संचालकों द्वारा मारपीट की घटनाएं भी हो चुकी हैं।

बताया गया कि बड़ी शीतला माता मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए देश-प्रदेश के कोने-कोने से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसी का फायदा उठाकर संचालक बीच सड़क पर बैरियर लगाकर वाहनों को जबरन पार्किंग में खड़ा कराते हैं और तय दर से अधिक शुल्क वसूलते हैं।

इस संबंध में वाराणसी के राजातालाब दीपापुर निवासी शिवसागर उपाध्याय, अरविंद उपाध्याय, जंसा थाना क्षेत्र के रामेश्वर जगापट्टी निवासी ललित पांडेय, विंध्याचल थाना क्षेत्र के कोलाही गांव निवासी दिनेश दुबे, चुनार क्षेत्र के लरछूट गांव निवासी जीतनाथ मिश्र व विकास मिश्र सहित कई श्रद्धालुओं ने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अवैध वसूली पर रोक लगाने की मांग की है।

गौतम बुद्ध नगर पुलिस की कड़ी कार्रवाई, सड़क पर सरेआम शराब पीने वाले 383 लोग गिरफ्तार

नोएडा।

कमिश्नर गौतम बुद्ध नगर के ग्रेटर नोएडा जोन पुलिस ने बीती रात को सड़क पर सरेआम शराब पीने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। इस अभियान में 383 लोगों को खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि नोएडा पुलिस कमिश्नरेट के ग्रेटर नोएडा जोन पुलिस ने बीती रात को सड़क सरेआम शराब पीने वालों खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया ,जिसके तहत विभिन्न जगहों पर शराब पीने वाले 383 लोगों को खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई।

उन्होंने बताया कि थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में सार्वजनिक रूप से शराब पीने वाले 42 लोग, थाना बीटा- दो क्षेत्र से 28 लोग दादरी क्षेत्र से 52 लोग, जारचा थाना क्षेत्र से 32 लोग

कासना थाना क्षेत्र से 75 लोग, ईकोटेक-1 थाना क्षेत्र से 14,थाना दनकौर क्षेत्र से 62, थाना जेवर क्षेत्र से 62 तथा थाना रबूपुरा क्षेत्र 16 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई।

मथुरा: एक ही घर में मिले पति-पत्नी, बेटे - बेटियों समेत पांच शव

मथुरा।

उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले के थाना महावन क्षेत्र के खप्परपुर गांव में एक ही घर में पति-पत्नी, बेटे-बेटियों समेत पांच लोगों के शव मिले हैं। प्रारंभिक जांच में परिवार ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या की है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। घर के अंदर दीवार पर 'अपनी इच्छा से आत्महत्या करने की बात लिखी हुई है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना महावन क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खप्परपुर में रहने वाले 35 वर्षीय मनीष खेती करते थे। मंगलवार सुबह करीब दस बजे पुलिस को सूचना मिली कि मनीष, उनकी पत्नी सीमा(32), बेटी हनी(5), प्रियांशी (4) और बेटा पंकज (2) के शव सुबह घर के अंदर पड़े मिले हैं।

सुसाइड नोट मिला है। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ घटना की जांच कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मनीष की शादी आठ साल पहले मड़नई सादाबाद से हुई थी। उसके दो भाई और हैं, जो गांव में ही अलग-अलग घरों में रहते हैं। मनीष अपनी पत्नी और बच्चों के साथ इस मकान

जब पुराना स्कूल बना यादों का आईना, न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय का स्वागत

मीरजापुर।

प्रयागराज उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय का मंगलवार को जिगना क्षेत्र स्थित मौनी स्वामी इंटर कॉलेज परिसर में स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। अपने ही विद्यालय में बतौर विशिष्ट अतिथि पहुंचे न्यायमूर्ति उपाध्याय ने न सिर्फ शिक्षा की नींव रखने वाले दिनों को याद किया, बल्कि पुरानी स्मृतियों के सहारे पूरे माहौल को भावनाओं से भर दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती एवं माँ भारती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इससे पूर्व न्यायमूर्ति उपाध्याय ने सपरिवार लक्ष्मी नारायण मंदिर और दुर्गा देवी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। विद्यालय परिसर में उन्होंने संस्थापक मौनी स्वामी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित

कर कृतज्ञता प्रकट की।

स्वागत समारोह में शिक्षक शुभेंद्र शरण त्रिपाठी द्वारा प्रस्तुत संस्कृत स्वागत गीत ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। पुरा छात्र के रूप में मंच से जब न्यायमूर्ति उपाध्याय ने अपने छात्र जीवन की स्मृतियाँ साझा कीं तो शिक्षक, छात्र और गणमान्य नागरिक भावविभोर हो उठे।

इस अवसर पर प्रबंधक गायत्री देवी, पूर्व प्रधानाचार्य अंगराज सिंह, महाशक्ति इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य सुशील कुमार सिंह, देवराज सिंह, राजेश मिश्रा, जय सिंह, विनय द्विवेदी व्यास, आनंद सिंह, पंकज सिंह सहित अनेक लोगों ने अपने गौरवशाली पुरा छात्र का आत्मीय अभिनंदन किया। उप प्रधानाचार्य आदित्य सिंह ने कुशल संचालन करते हुए कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की।

पत्रकार को बाइक से कुचलने की कोशिश, पुलिस जांच में जुटी

बांदा।

उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता करना अब खतरे से खाली नहीं रहा। नगर कोतवाली क्षेत्र की सिविल लाइन चौकी अंतर्गत मान्यता प्राप्त पत्रकार इकबाल खान पर कथित रूप से पूर्व नियोजित हमले की घटना सामने आई है। यह घटना केवल एक पत्रकार पर हमला नहीं मानी जा रही, बल्कि इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर गंभीर चोट के रूप में देखा जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि सोमवार को दिनदहाड़े बेखौफ हमलावरों ने पत्रकार इकबाल को सिविल लाइन चौकी अंतर्गत बाइक से कुचलने की कोशिश की गई और उनका मोबाइल फोन क्षतिग्रस्त कर मौके से फरार हो गए।

हमले में गंभीर रूप से घायल इकबाल खान का कंधा टूट गया और सिर ओर चेहरे पर गहरी चोट आई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, उनके चेहरे और शरीर पर कई गंभीर जख्म हैं।

पंकज प्रधान बोले–बाबर के नाम पर नहीं बनने देंगे मस्जिद, 11 को मुर्शिदाबाद में प्रदर्शन का ऐलान

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। प्रदेश के प्रयागराज, लखनऊ, गोंडा, बहराइच, बाराबंकी सहित कई जनपदों से विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यकर्ता पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के लिए रवाना हुए हैं। मंगलवार को प्रयागराज से संगठन के राष्ट्रीय महासचिव पंकज प्रधान के नेतृत्व में 10 गाड़ियों का काफिला निकला। संगठन ने 11 फरवरी को मुर्शिदाबाद पहुंचकर प्रस्तावित निर्माण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। पंकज प्रधान ने कहा है कि वे बाबर के नाम से किसी मस्जिद का निर्माण नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि बाबरी मस्जिद का नाम पहले ही समाप्त हो चुका है, उसे दोबारा उठाकर देश का माहौल खराब करने की कोशिश की जा रही है।

पंकज प्रधान ने दावा किया कि संगठन बाबरी मस्जिद के नाम पर एक भी ईंट नहीं रखने देगा। पंकज प्रधान ने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और दिल्ली से लगभग 15,000 सदस्य और पदाधिकारी मुर्शिदाबाद के लिए निकल चुके हैं। उनके अनुसार, कार्यकर्ताओं के हाथों में भगवा झंडे हैं और वे अपने

विरोध को दर्ज कराने के लिए एकजुट हैं। संगठन का कहना है कि उसका संदेश स्पष्ट है और वह पश्चिम बंगाल सहित देश के किसी भी हिस्से में बाबरी मस्जिद के नाम पर निर्माण का विरोध करेगा।

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से अलग-अलग टीमें रवाना होने की जानकारी भी दी गई है। गोंडा, बहराइच, बाराबंकी और लखनऊ से कार्यकर्ता अपने-अपने स्तर पर काफिलों के रूप में पश्चिम बंगाल के लिए प्रस्थान कर रहे हैं। इस बीच, स्थानीय प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी बढ़ाने और संवेदनशील इलाकों में सतर्कता के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, यह पूरा विवाद पश्चिम बंगाल के विधायक हुमायूं कबीर के एक बयान के बाद सामने आया है। विधायक ने 11 फरवरी को मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के निर्माण की शुरूआत की बात कही थी। इस अवसर पर प्रदेश सचिव आचार्य सुशील महाराज, प्रदेश मंत्री उमेश चंद्र त्रिपाठी, ज़िलाध्यक्ष डॉ रमापति त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष अंजनी पांडेय ह्नमहाराजह्व, जिला मंत्री बॉबी केशरवानी, मंडल उपाध्यक्ष पवन पांडेय, सोशल मीडिया प्रभारी आशीष केसरवानी, राजीव पांडेय, नरेंद्र मिश्रा, संजय मिश्रा, अंकित सिंह, शिवा यादव सहित अन्य कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार में अमेरिकी एफपीआई की हिस्सेदारी बढ़ी

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पहले वर्ष में वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल के बावजूद भारतीय बाजार में अमेरिकी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की हिस्सेदारी बढ़ी है। एक अखबार द्वारा डिपॉजिटरी आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार जनवरी 2025 में कुल विदेशी शेयरधारिता में अमेरिकी एफपीआई की हिस्सेदारी 39.7 प्रतिशत थी, जो जनवरी 2026 में बढ़कर 41 प्रतिशत हो गई। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब एफपीआई ने डेट और इक्विटी में मिलाकर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध बिकवाली की। इसके बावजूद अमेरिकी एफपीआई का कुल निवेश मूल्य 29.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 32.1 लाख करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान डेट निवेश में लगभग 15,000 करोड़ रुपये और इक्विटी परिसंपत्तियों में 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। बाजार के जानकारों के अनुसार अमेरिकी एफपीआई का बड़ा निवेश लार्ज-कैप शेयरों में है, जिनमें बीते वर्ष सीमित लेकिन सकारात्मक बढ़त रही। इसी अवधि में बीएसई सेंसेक्स 6.1 प्रतिशत चढ़ा। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता कम होने और अमेरिकी बाजारों की कमजोरी के चलते आगे एफपीआई की खरीदारी बढ़ सकती है।

सोना और चांदी में हफ्ते की जोरदार शुरुआत

- सोने का भाव 549 रुपए तेज, चांदी भी 9752 रुपए उछली

नई दिल्ली । इस सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोना और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों कीमती धातुओं में मजबूती देखने को मिल रही है। सोमवार को घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव करीब 1,58,000 रुपये, जबकि चांदी के वायदा भाव लगभग 2,62,750 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 549 रुपये की तेजी के साथ 1,56,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,55,451 रुपये था। कारोबार के दौरान सोने का भाव 2,500 रुपये की बढ़त के साथ 1,57,951 रुपये तक पहुंच गया। इस दौरान सोने ने दिन का उच्च स्तर 1,58,500 रुपये और निचला स्तर 1,55,546 रुपये छू लिया। बीते महीने सोने के वायदा भाव 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचे थे। वहीं चांदी के वायदा भाव में भी मजबूत तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का मार्च कॉन्ट्रेक्ट 9,752 रुपये की बढ़त के साथ 2,59,887 रुपये प्रति किलो पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,49,892 रुपये था। इस समय चांदी का भाव 12,847 रुपये की तेजी के साथ 2,62,739 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान चांदी ने 2,64,885 रुपये का उच्च और 2,59,887 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल चांदी का सर्वोच्च स्तर 4,20,048 रुपये प्रति किलो रहा है।

भारत के गोल्ड ईटीएफ ने जनवरी में रिकॉर्ड 2.49 अरब डॉलर निवेश किया

- दिसंबर 2025 के 1.25 अरब डॉलर की तुलना में 98 प्रतिशत अधिक

मुंबई ।

जनवरी 2026 में भारत के गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में शुद्ध निवेश 2.49 अरब डॉलर दर्ज किया गया, जो दिसंबर 2025 के 1.25 अरब डॉलर की तुलना में 98 प्रतिशत अधिक है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार यह लगातार आठवें महीने निवेश में वृद्धि को दर्शाता है। 2025 में भारत के गोल्ड ईटीएफ में कुल निवेश 4.68 अरब डॉलर रहा, जो 2024 के 1.29 अरब डॉलर से 262 प्रतिशत अधिक है। इसके पहले 2023 और 2022 में निवेश क्रमशः 31 करोड़ डॉलर और 3.3 करोड़ डॉलर था। वैश्विक निवेशकों ने जनवरी 2026 में फिजिकली बैक्ड गोल्ड ईटीएफ में 19 अरब डॉलर का निवेश किया, जो अब तक का सबसे बड़ा मासिक निवेश है। सोने की कीमतों में जनवरी में 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ, ग्लोबल गोल्ड ईटीएफ के एसेट्स अंडर मैनेजमेंट 669 अरब डॉलर तक पहुंच गए। कुल होल्डिंग्स 4,145 टन तक बढ़ीं, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। एशियाई गोल्ड ईटीएफ में जनवरी में 10 अरब डॉलर का निवेश हुआ, लगातार पांचवें महीने वृद्धि दर्ज की गई। उत्तरी अमेरिका और एशिया ने वैश्विक मांग बढ़ाई, जबकि यूरोप में भू-राजनीतिक और व्यापारिक तनाव के बावजूद निवेश अच्छा रहा। महीने की शुरुआत में सोने की कीमतों में तेजी आई, लेकिन फेडरल रिजर्व के नए चेयरमैन के नामांकन के बाद महीने के अंत में गिरावट आई। इसके बावजूद महीने के आखिरी ट्रेडिंग दिन पर भी गोल्ड ईटीएफ में नेट पॉजिटिव फ्लो दर्ज किया गया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुए । सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर आये साझा बयान से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 485.35 अंक बढ़कर 84,065.75 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 173.60 अंक उछलकर 25,867.30 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, पीएसयू बैंक, रियल्टी, इंडिया डिफेंस, मेटल, फार्मा और हेल्थकेयर के साथ करीब सभी शेयर लाभ के साथ ही उछलकर बंद हुए। सेंसेक्स पैक के शेयरों में एसबीआई, टाइटन, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, इटरनल, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, इंडिगो, एमएंडएम, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स और एशियन पेंट्स के शेयर लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर पावर ग्रिड, आईटीसी, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और मारुति के शेयरों को नुकसान हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर आये बयान से भी बाजार में उत्साह का माहौल है जिससे भी घरेलू बाजार उछला। भारतीय निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ के 50 प्रतिशत से कम होकर 18 फीसदी होने से भी निवेशकों ने जमकर खरीदारी की । आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 938.45 अंक बढ़कर 60,441.15 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 447.25 अंक बढ़कर 17,385.90 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार ने जोरदार तेजी के साथ सप्ताह की शुरुआत की। सेंसेक्स करीब 418 अंकों की तेजी के साथ 83,999 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया, जबकि निफ्टी 50 लगभग 123 अंकों की बढ़त के साथ 25,816 के आसपास खुला। निफ्टी ने 25,922 का इंट्रा-डे हाई भी छुआ, जिससे बाजार में मजबूती का संकेत मिला। वहीं एशियाई बाजारों में मजबूती, आई। जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया के शेयर बाजारों की तेजी से भी भारतीय बाजार उछला। शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में आई मजबूत तेजी के असर से भी भारतीय बाजार को बढ़त मिली।

भारत की जीडीपी वृद्धि 2026-27 में 6.4 फीसदी रहने का अनुमान- मूडीज

- बैंकिंग क्षेत्र की परिसंपत्ति गुणवत्ता मजबूत बनी रहेगी

नई दिल्ली ।

रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अनुमान लगाया है कि भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2026-27 में 6.4 फीसदी होगी। एजेंसी ने कहा कि मजबूत घरेलू खपत, नीतिगत उपाय और स्थिर बैंकिंग प्रणाली के कारण भारत जी-20 देशों में सबसे तेज वृद्धि दर्ज करेगा। यह अनुमान वित्त मंत्रालय की 6.8-7.2 फीसदी की सीमा से थोड़ा कम है। चालू वित्त वर्ष (2025-26) में वृद्धि दर 7.4 फीसदी रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 6.5 फीसदी से अधिक है। मूडीज ने अपनी बैंकिंग प्रणाली परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि बैंकिंग क्षेत्र की परिसंपत्ति गुणवत्ता मजबूत बनी रहेगी। हालांकि सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) में कुछ दबाव देखने को मिल सकता है। बैंकों के पास ऋण नुकसान झेलने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद हैं। समूची बैंकिंग प्रणाली में ऋण वृद्धि वित्त वर्ष 2026-27 में 11-13 फीसदी रहने की संभावना है, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 की 10.6 फीसदी से अधिक है। मूडीज ने कहा कि सितंबर 2025 में जीएसटी का युक्तिकरण और व्यक्तिगत आयकर सीमा बढ़ाने से उपभोक्ताओं की वहन क्षमता बढ़ेगी, जिससे खपत आधारित वृद्धि को मजबूती मिलेगी। मुद्रास्फीति नियंत्रण में रहने और वृद्धि की गति मजबूत रहने के कारण, मूडीज ने अनुमान जताया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) वित्तीरु 2026-27 में केवल तभी नीतिगत दर में ढील देगा जब आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती आएगी। वर्तमान में आरबीआई की नीतिगत दर 5.25 फीसदी है।

भारत-अमेरिका ऊर्जा व्यापार, दोस्ती के बावजूद त्वरित लाभ की राह कठिन

- अमेरिका से ऊर्जा आयात में तेज़ वृद्धि करना भारत के लिए आसान नहीं होगा

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ताओं में बढ़ती नज़दीकी को लेकर सरकार उत्साह जता रही है, लेकिन ऊर्जा क्षेत्र में इससे तत्काल और ठोस लाभ मिलने की संभावना सीमित दिखती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में अमेरिका से ऊर्जा आयात में तेज़ वृद्धि करना भारत के लिए आसान नहीं होगा। वर्तमान में भारत अमेरिका से कच्चा तेल, एलएनजी, एलपीजी और कोकिंग कोल सहित सालाना 12 अरब डॉलर से अधिक का आयात करता है। हालांकि, माल ढुलाई की ऊंची लागत, कच्चे तेल की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय कीमतें और लंबी समुद्री यात्रा इस व्यापार को महंगा बनाती हैं। अमेरिका से तेल आने में 32 से 40 दिन लगते हैं, जबकि पहले यह अवधि 25 से 30 दिन की थी। नॉर्वे स्थित ऊर्जा अनुसंधान फर्म रायस्टैड एनर्जी के अनुसार रूस द्वारा दिए जा रहे भारी डिस्काउंट के मुकाबले अमेरिकी कच्चा तेल भारत को प्रति बैरल 12-15 डॉलर तक महंगा पड़ सकता है। इसके अलावा रूसी यूराल और अमेरिकी वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चे तेल की गुणवत्ता में बड़ा अंतर है। यूराल अधिक भारी और सल्फर युक्त है, जबकि डब्ल्यूटीआई हल्का है, जिससे दोनों को सीधे विकल्प के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का कहना है कि रूस की जगह अमेरिकी कच्चा तेल लेने से भारत की रिफाइनरियों की लगभग 25 प्रतिशत क्षमता प्रभावित हो सकती है, क्योंकि उनकी संरचना भारी कच्चे तेल के अनुरूप है। भू-राजनीतिक जटिलताएं भी इस बदलाव को और कठिन बनाती हैं। भारत ने अगले पांच वर्षों में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी उत्पाद खरीदने की मंशा जताई है, लेकिन ऊर्जा क्षेत्र में व्यापार बढ़ाने को लेकर कोई स्पष्ट खाका अभी सामने नहीं आया है। ऐसे में अमेरिका से ऊर्जा आयात बढ़ाने की राह फिलहाल चुनौतीपूर्ण बनी हुई है।

रुपया 21 तेजी के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.71 पर बंद हुआ। आज सुबह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में रुपया 21 पैसे मजबूत होकर 90.44 पर पहुंच गया। शुक्रवार को यह 90.65 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा बाजार में शुरुआती कमजोरी के बाद रुपये ने तेजी दिखायी। रुपए की मजबूती के पीछे सबसे बड़ा कारण भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा तैयार होना है। इस समझौते के तहत दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने के लिए कई वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेंगे। डॉलर इंडेक्स में 0.05 फीसदी की गिरावट और घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुझान ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे समझौते और बाजार स्थिरता रुपये की मजबूती के लिए सहायक रहेगी।

वेलोसिटी एआई-आधारित 'शिपिंग' मंच के लिए 100 करोड़ का करेगी निवेश

- वेलोसिटी शिपिंग ने 2025 में शुरुआत के बाद से 900 से अधिक ब्रांड जोड़े

नई दिल्ली । ई-कॉमर्स मंच वेलोसिटी अगले दो वर्षों में अपने लॉजिस्टिक्स कारोबार वेलोसिटी शिपिंग के विस्तार के लिए 100 करोड़ रुपये निवेश करेगा। यह निवेश पूरी तरह कंपनी के आंतरिक नकद भंडार और मुख्य कारोबार से होने वाली आय से किया जाएगा। वेलोसिटी शिपिंग ने 2025 में शुरुआत के बाद से 900 से अधिक ब्रांड जोड़ लिए हैं। मासिक आधार पर ऑर्डर की मात्रा में 70 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जा रही है और यह वेलोसिटी की कुल आय का लगभग 40 प्रतिशत योगदान देता है। कंपनी का कहना है कि यह निवेश रणनीतिक नियुक्तियों, उत्पाद विकास और लॉजिस्टिक्स मूल्य श्रृंखला में एआई-आधारित नवाचार पर केंद्रित होगा। वेलोसिटी ने अपनी शिपिंग टीम दोगुना करने की योजना बनाई है और वरिष्ठ स्तर पर भी नियुक्तियां की हैं। वेलोसिटी शिपिंग कई तृतीय-पक्ष लॉजिस्टिक्स भागीदारों जैसे डेल्हीवरी, एकार्ट, अमेज़न, ब्लू डार्ट, ब्लिट्ज़, पिकंडेल और एक्सप्रेसबीज के साथ काम करती है। यह देशभर में 19,000 से अधिक पिनकोड क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान करती है। वेलोसिटी के एक प्रमुख अे धिकारी का कहना है कि कंपनी की शुरुआत डिजिटल-प्रथम ब्रांडों के लिए पूंजी और लॉजिस्टिक्स बाधाओं को हल करने के उद्देश्य से हुई थी। 100 करोड़ रुपये का यह निवेश दीर्घकालिक रणनीति और भारत के ई-कॉमर्स परिवेश के लिए श्रेणी-निर्धारक डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार करने के दृष्टिकोण को दर्शाता है। स्थापित 2020 में वेलोसिटी पूंजी, लॉजिस्टिक्स, इनसाइट्स और एआई-आधारित समाधानों से जुड़ी सेवाएं प्रदान करती है, और डिजिटल-प्रथम ब्रांडों के लिए एक समग्र समर्थन नेटवर्क तैयार कर रही है।

जनवरी में 13.68 करोड़ ईवे बिल जारी किए गए, 43 फीसदी की बढ़ोतरी

- पिछले साल जनवरी में मात्र 9.59 करोड़ ईवे बिल जारी किए गए थे

नई दिल्ली । जनवरी 2026 में देश में लगभग 13.68 करोड़ ईवे बिल जारी किए गए, जो अब तक का दूसरा सबसे बड़ा मासिक आंकड़ा है। इससे पहले दिसंबर में यह आंकड़ा 13.83 करोड़ था। पिछले साल जनवरी में मात्र 9.59 करोड़ ईवे बिल जारी किए गए थे, यानी इस साल जनवरी में 43 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई। ईवे बिल एक इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज है, जो 50,000 रुपये से अधिक मूल्य के माल की आवाजाही के लिए जीएसटी व्यवस्था के तहत अनिवार्य है। इसमें माल, भेजने वाला, प्राप्त करने वाला और ट्रांसपोर्टर का विवरण होता है। इसका मकसद कर चोरी रोकना और राज्यों में माल की रीयल-टाइम निगरानी करना है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वृद्धि जीएसटी दरों में कटौती और सरकार के नीतिगत उपायों से घरेलू खपत मजबूत होने का संकेत देती है।

सीबीडीटी ने मसौदा आयकर नियम और फॉर्म सार्वजनिक किए

- घट जाएंगे फॉर्म और नियम, टैक्सपेयर्स को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली ।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर अधिनियम, 2025 के लागू होने से पहले मसौदा नियम और फॉर्म सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किए हैं। यह अधिनियम 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगा। सरकार के अनुसार हितधारक 22 फरवरी तक ई-फाइलिंग पोर्टल पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं। मसौदा नियमों में अनुपालन का बोझ काफी कम किया गया है। नियमों की संख्या 511 से घटाकर 333, जबकि फॉर्मों की संख्या 399 से घटाकर 190 की गई है। इसका उद्देश्य करदाताओं के लिए प्रक्रिया को सरल और सहज बनाना है। कर विशेषज्ञों के अनुसार सबसे महत्त्वपूर्ण बदलाव ट्रांसफर प्राइसिंग के खुलासे से जुड़ा है। इसके तहत फॉर्म 48 पेश किया गया है, जो पुराने फॉर्म 3सीईबी की जगह लेगा। यह फॉर्म अंतरराष्ट्रीय और कुछ विशेष घरेलू लेनदेन के खुलासे को आसान बनाएगा। पेशेवरों का कहना है कि विस्तृत खुलासों के कारण अनुपालन का बोझ बढ़ सकता है। प्राइस वाटरहाउस एलएलपी के पार्टनर जितेंद्र जैन ने कहा कि फॉर्म में उचित बाजार मूल्य की गणना, तुलनात्मक बेंचमार्क और संबद्ध उद्यमों की लागत शामिल होगी। मसौदा नियमों में वेतन के अलावा नियोक्ता से मिलने वाली सुविधाओं के आकलन और अनुपालन में भी बड़े बदलाव प्रस्तावित हैं।

मियाद बढ़ने से विदेशी आय और देर से रिटर्न भरने वालों को लाभ

नई दिल्ली । केंद्रीय बजट 2026 में संशोधित आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय-सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया है। फिलहाल करदाता को मूल रिटर्न दाखिल करने के बाद 9 महीने का समय मिलता है। नए प्रस्ताव के अनुसार यह अवधि बढ़ाकर 12 महीने या अगले कर निर्धारण वर्ष के समाप्त होने तक कर दी जाएगी, जो भी पहले हो। यह बदलाव 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। इसलिए यह कर निर्धारण वर्ष 2026-27 से यानी वित्त वर्ष 2025-26 के रिटर्न से चलेगी। इसके मुताबिक 31 दिसंबर के बाद लेकिन 31 मार्च से पहले संशोधित रिटर्न दाखिल करने वाले करदाता पर शुल्क लगेगा।

पंजाब नेशनल बैंक ने पांच साल की एफडी पर बढ़ाया रिटर्न

- वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा ज्यादा फायदा

मुंबई । हाल ही में रिजर्व बैंक की ब्याज दरों में कमी के बाद पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) दरों को अपडेट किया है। बैंक अब 7 दिन से लेकर 10 साल तक की एफडी सुविधा देता है। ब्याज दरें फिलहाल 3 फीसदी से शुरू होकर 7.2 फीसदी तक हैं। लंबी अवधि के निवेश के लिए 5 साल वाली एफडी उपयुक्त मानी जा रही है। आम नागरिकों को 6.10 फीसदी की दर पर 2 लाख निवेश करने पर मैच्योरिटी पर 2,70,701 रुपए मिलेंगे। यानी 70,701 रुपए का मुनाफा। 60 साल और उससे ऊपर की उम्र वाले वरिष्ठ नागरिकों को 6.60 फीसदी की ब्याज दर मिलेगी। इसके तहत 2 लाख रुपए की राशि 5 साल बाद 2,77,445 रुपए तक बढ़ जाएगी, जो 77,445 रुपए का शुद्ध मुनाफा है। 390 दिन वाली स्पेशल एफडी में अति वरिष्ठ नागरिकों को 7.20 फीसदी तक का रिटर्न मिलता है।

पर्पल फाइनेंस इक्विटी वारंट से जुटाएगी 69.30 करोड़

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी पर्पल फाइनेंस ने हाल ही में हुई निदेशक मंडल की बैठक में 1.26 करोड़ इक्विटी वारंट जारी करने का निर्णय लिया। प्रत्येक वारंट की कीमत 55 रुपये रखी गई है, जिससे कंपनी को कुल 69.30 करोड़ रुपये जुटाने की संभावना है। यह प्रक्रिया नियामकीय अनुमोदन पर निर्भर करेगी। कंपनी ने कहा कि मौजूदा और नए निवेशकों की भागीदारी उसके कारोबारी मॉडल, प्रशासनिक ढांचे और दीर्घकालिक वृद्धि रणनीति में भरोसा दर्शाती है। इक्विटी वारंट निवेशक को भविष्य में तय कीमत पर कंपनी के शेयर खरीदने का अधिकार देता है। यानी 55 रुपये में खरीदा गया वारंट भविष्य में इसी कीमत पर शेयर लेने का अवसर देता है, चाहे बाजार भाव बढ़ जाए। कंपनी का उद्देश्य अपने विस्तार और पूंजी आधार को मजबूत करना है।

शेयर बाजार में चुनिंदा स्टॉक्स दे रहे ब्रेकआउट का संकेत

नई दिल्ली । शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच कुछ चुनिंदा स्टॉक्स निवेशकों के लिए बड़ा अवसर बनकर उभर सकते हैं। बाजार के जानकारों के अनुसार मौजूदा चार्ट पैटर्न और वॉल्यूम मूवमेंट साफ संकेत दे रहे हैं कि ये शेयर अगली तेजी के लिए तैयार हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि श्नाइडर इले क्ट्रिक इंफास्ट्रक्चर के शेयर निचले स्तरों से जबरदस्त वापसी कर चुके हैं। गिरते ट्रेंड को तोड़ते हुए शेयर ने ब्रेकआउट दिया है और सभी महत्वपूर्ण मूविंग एवरेज के ऊपर मजबूती से टिक गया है। निवेशक गिरावट पर सक्रिय खरीदारी कर रहे हैं। विशेषज्ञ का सुझाव है कि इस शेयर को 769 रुपये के आसपास खरीदा जा सकता है, स्टॉप लॉस 725 रुपये रखा जाए, और लक्ष्य 850 रुपये तय किया गया है। सौ नियर फार्मास्युि टिकल्स लंबे समय से मजबूत अपट्रेंड में है और लगातार ऊंचे स्तर बना रहा है। फिलहाल का ठहराव कमजोरी नहीं बल्कि अगली बड़ी चाल की तैयारी माना जा रहा है। शेयर 835 रुपये के ऊपर मजबूती से बंद होने पर नई खरीदारी शुरू हो सकती है। विशेषज्ञ की राय में इसे 825 रुपये पर खरीदें, स्टॉप लॉस 780 रुपये और लक्ष्य 900 रुपये निर्धारित किया गया है। सुंदरम फाइनेंस का शेयर 5,500 रुपये के आसपास रुकावट का सामना कर रहा है, लेकिन अंदरूनी मजबूती बनी हुई है। अहम मूविंग एवरेज के ऊपर कीमतें यह दिखाती हैं कि निचले स्तरों पर लगातार खरीदारी हो रही है। अगर शेयर 5,500-5,550 रुपये के ऊपर टिकता है, तो नए रिकॉर्ड स्तर खुल सकते हैं। लक्ष्य 5,900-6,000 रुपये तय किया गया है, जबकि 5,250 रुपये को सपोर्ट और स्टॉप लॉस माना गया है।

स्कॉटलैंड टी20 विश्वकप में 200 रन बनाने वाली पहली एसोसिएट टीम बनी

कोलकाता (एजेंसी)। बांग्लादेश के बाहर होने के बाद शामिल हुई स्कॉटलैंड की टीम ने टी20 विश्वकप क्रिकेट 2026 में एक नया रिकार्ड बना दिया। स्कॉटलैंड की टीम ने इटली के खिलाफ हुए मुकाबले में 207 रन बनाये और इसी के साथ ही वह 200 रन बनाने वाली पहली एसोसिएट टीम बन गयी है। इस मैच में इटली ने टॉस जीतकर स्कॉटलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। स्कॉटलैंड ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट पर 207 रन बनाए। इसी के साथ ही स्कॉटलैंड टी20 वर्ल्ड कप में एसोसिएट टीम के तौर पर 200 या उससे अधिक रन बनाने वाली पहली टीम बन गई है। इससे पहले यह रिकॉर्ड अमेरिकी टीम के नाम था। पिछले टी20 विश्वकप में अमेरिका ने बतौर एसोसिएट टीम कनाडा के खिलाफ सबसे अधिक 197 रन बनाए थे।

टी 20 वर्ल्ड कप में इससे पहले साल 2024 में अमेरिका ने कनाडा के खिलाफ तीन विकेट पर 197 रन बनाये थे। /3 वहीं 2024 में कनाडा ने अमेरिका के खिलाफ पांच विकेट पर 194 रन बनाये थे। वहीं 2014 में नीदरलैंड ने आयरलैंड के खिलाफ 4 विकेट पर 193 रन बनाये थे।

मैच की बात करे तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड की टीम की शुरुआत सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से और माइकल जोन्स ने की। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 13.5 ओवर में 126 रनों की साझेदारी हुई। जॉर्ज मुन्से ने 54 गेंदों पर 13 चौके और 2 छक्के लगाकर 84 रन बनाये। वहीं जोन्स ने 30 गेंदों पर 37 रन बनाए।

वहीं नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने आये ब्रैंडन मैकमुलन ने 18 गेंदों पर 4 छक्कों की मदद से नाबाद 41 रन आये। उनका अंत में साथ माइकल लीस्क ने दिया। लीस्क ने 5 गेंदों पर 440 के स्ट्राइक रेट के साथ नाबाद 22 रन बनाए।

एशियाई चैंपियनशिप: रोमांचक शूट ऑफ में स्वर्ण पदक से चूकी मनु भाकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु भाकर सोमवार को यहां स्वर्ण पदक जीतने के बेहद करीब पहुंचकर रोमांचक शूट ऑफ में पिछड़ गईं जिससे उन्हें एशियाई चैंपियनशिप की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि उनकी साथी भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह को कांस्य पदक मिला। महाद्वीपीय प्रतियोगिता के मौजूदा सत्र के सबसे करीब मुकाबले में से एक में स्वर्ण पदक विजेता एनगुयेन थुय ट्रेंग और मनु दोनों ने फाइनल में समान 35 का स्कोर किया। इसके बाद मुकाबला शूट ऑफ में खिंचा जिसमें वियतनाम की खिलाड़ी ने बाजी मार ली।

फाइनल में पूर्व एशियाई एयर पिस्टल चैंपियन ट्रेंग, मनु, ईशा और ओलंपियन रिदम सांगवान सभी स्वर्ण के लिए एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे थे। ईशा ने पहली सीरीज में परफेक्ट पांच अंक से शुरुआत की जबकि मनु और ट्रेंग ने चार-चार अंक के निशाने लगाए। हर सीरीज के बाद पदक की दौड़ में स्थिति बदल रही थी लेकिन छठी सीरीज में परफेक्ट पांच के साथ वियतनाम की खिलाड़ी ने दो अंक की बढ़त बना ली। मनु और ईशा ने ट्रेंग की खराब सातवीं सीरीज का फायदा उठाया जिसमें वह सिर्फ एक निशाना लगा पाईं जिससे अंतर कम हो गया।

आठवीं सीरीज के आखिर में 30 के स्कोर के साथ आगे चल रही ईशा नौवीं सीरीज में अपने सभी शॉट चूक गईं और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। अंतिम सीरीज में मनु ने तीन निशाने लगाए जबकि ट्रेंग दो की निशाने लगा पाईं जिससे दोनों का कुल स्कोर 35 हो गया और मुकाबला शूट ऑफ में खिंचा इससे पहले ईशा ने 'प्रिसिन' और 'ड्यूलिंग' चरण के क्वालीफिकेशन दौर में 589 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके बाद मनु (584) रहीं। रिदम ने भी फाइनल में जगह बनाई जिससे आठ में से तीन निशानेबाज भारतीय थे।

ईशा, मनु और रिदम की तिकड़ी ने कुल 1,751 अंक के साथ टीम स्वर्ण जीता। चीनी ताइपे को 1,735 अंक के साथ रजत जबकि वियतनाम को 1,729 अंक के साथ कांस्य पदक मिला। जूनियर 25 मीटर पिस्टल फाइनल में नाम्या कपूर ने रोमांचक शूट ऑफ में स्वर्ण पदक जीता। विश्व चैंपियनशिप पदक जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी ने इंडोनेशिया की रिहादतुल अस्यिफा को पछाड़ा। अंजलि भागवत ने कांस्य पदक जीता। जूनियर भारतीय टीम ने इस स्पर्धा में टीम स्वर्ण भी जीता।

पाक से मैच को लेकर आईसीसी के फैसले का सम्मान करेगा बीसीसीआई : राजीव शुक्ला

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि पाकिस्तान के टी20 विश्वकप मैच का बहिष्कार करने के मामले में बोर्ड अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के फैसले का सम्मान करेगा। शुक्ला ने कहा है कि इस मामले में आईसीसी के जो भी फैसला लेगी। उसी का हम पालन करेगी और हमारा कोई अलग रुख नहीं होगा। शुक्ला ने कहा, मैं पहले भी स्पष्ट कर चुका हूं कि आईसीसी जो भी फैसला लेगा, बीसीसीआई उसी के अनुसार आगे बढ़ेगी। इस मामले में बोर्ड कुछ भी नहीं कहेगा। पाक ने बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने का विरोध करते हुए भारत के खिाफ विश्वकप मैच नहीं खेलने की बात कही है। वही पाक मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस मैच की संभावनाएं हैं क्योंकि लाहौर में आईसीसी के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा, पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी और बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के बीच इसको लेकर एक बैठक हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी इस मामले पर पाकिस्तान सरकार से स्पष्ट दिशा-निर्देश लेने वाला है। इसके बाद ही उसकी ओर से कोई औपचारिक घोषणा होगी। वहीं इससे पहले पाक सरकार ने कहा था कि उसकी टीम भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेगी। पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस फैसले को बांग्लादेश से जुड़े विवाद से जोड़ते हुए कहा कि ये बांग्लादेश के प्रति समर्थन दिखाने के लिए लिया गया है।।

इससे पहले बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों से अपने सभी मैच भारत से बाहर कराने की मांग की थी, जिसे आईसीसी ने ठुकरा दिया था। इसके बाद बांग्लादेश ने विश्वकप से नाम वापस ले लिया था। आईसीसी ने पीसीबी से यह स्पष्ट करने को कहा है कि उसने बहिष्कार का कदम क्यों उठाया है। वहीं पीसीबी ने आईसीसी को संदेश भेजा था कि सरकार के आदेशों के कारण वह इस मैच से बाहर रहेगा। आईसीसी ने पीसीबी को यह भी आगाह किया है कि यदि मैच नहीं होता है, तो इससे को भारी आर्थिक और व्यावसायिक नुकसान हो सकता है। आईसीसी ने साथ ही उसे कड़ी कार्रवाई की भी चेतावनी दी है। पीसीबी का मानना है कि यदि मामला कानूनी रूप लेता है, तो उनके पास मैच से बाहर रहने को लेकर अपना पक्ष रखने के मजबूत आधार है।

भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप मैच खेलने पीसीबी ने रखीं शर्तें

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप मैच में खेलने को लेकर सौदेबाजी शुरु कर दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा है कि वह भारत के खिलाफ विश्व कप में खेल सकता है पर उसकी तीन मांगों को पूरा करना होगा। पीसीबी को पता है कि आईसीसी इन मांगों को मानने तैयार नहीं होगा। उसकी मांग है कि बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने के लिए बढ़ा हुआ मुआवजा दिया जाए। बांग्लादेश को विश्वकप में भाग न लेने के बाद भी पार्टिसिपेशन फीस और 3- भविष्य के आईसीसी टूर्नामेंट्स के लिए पाकिस्तान को मेजबानी का अधिकार

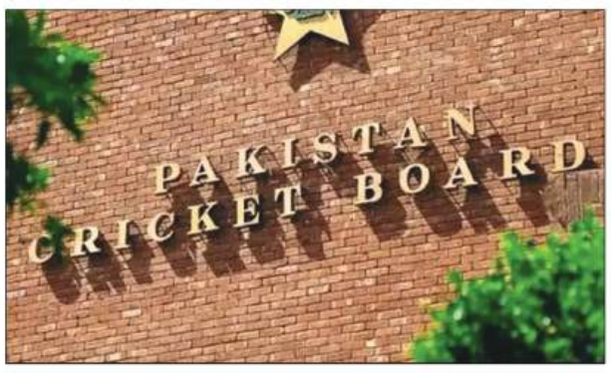

दिया जाए। इस रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भी आईसीसी के सामने 2 मांगें रखी है। पहली मांग ये कि मुआवजा दो और दूसरी मांग ये कि आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी दो।

वहीं आईईसीसी के इस प्रकार की सौदेबाजी के लिए तैयार होने की संभावना नहीं है। इससे पहले पाक ने पिछले साल एशिया कप के दौरान भी टूर्नामेंट के बहिष्कार की धमकी दी थी जब भारतीय खिलाड़ियों ने मैच के बाद पाकिस्तानी टीम से हाथ मिलाने से मना कर दिया था। इस बाद उसने पूरा टूर्नामेंट खेला था।

वहीं बांग्लादेश को पहले ही विश्वकप से बाहर कर दिया है। ऐसे में आईसीसी के उसे मुआवजा देने का सवाल भी नहीं उठाता है। आईसीसी ने हालांकि लाहौर में बीसीबी के अधिकारियों से बातचीत की। वहीं ये भी कहा जा रहा है पीसीबी में भी बोर्ड प्रमुख मोहसिन नकवी के प्रति नाराजगी है। नकवी केंद्रीय गृह मंत्री भी हैं। नकवी जहां भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार पर अड़े हुए हैं वहीं पीसीबी के कुछ अधिकारी चाहते हैं कि पाकिस्तान को टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ मैच खेलना चाहिए।

विश्व टूर में बदलाव: इंडिया ओपन बैडमिंटन का दर्जा बरकरार, सैयद मोदी टूर्नामेंट का घटा

कुआलालंपुर (एजेंसी)। विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) द्वारा सोमवार को घोषित भविष्य के कार्यक्रम में भारत का बड़ा झटका लगा है क्योंकि देश में होने वाले आयोजनों की संख्या चार से घटकर दो कर दी गई है जिसमें इस साल आयोजन संबंधी समस्याओं के बावजूद इंडिया ओपन ने अपना सुपर 750 दर्जा बरकरार रखा है लेकिन सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 का दर्जा घटाकर सुपर 100 कर दिया गया।

विश्व टूर कार्यक्रम से जिन टूर्नामेंटों को हटाया गया है उनमें गुवाहाटी और ओडिशा में आयोजित सुपर 100 टूर्नामेंट शामिल हैं। इन टूर्नामेंटों को 2023 में शुरू किया गया था। लखनऊ में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय का आयोजन राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन सैयद मोदी की स्मृति में होता है। यह साल 2018 से विश्व टूर सुपर 300 स्तर का टूर्नामेंट रहा है। 2009 में ग्रां प्री टूर्नामेंट के रूप में शुरू हुआ यह आयोजन अब अगले सत्र से सर्किट में शामिल आठ सुपर 100 टूर्नामेंटों में से एक होगा।

BWF ने सैयद मोदी टूर्नामेंट के स्तर को कम करने या ओडिशा और गुवाहाटी के टूर्नामेंटों को कैलेंडर से हटाने के पीछे के कारण स्पष्ट नहीं किए हैं। दिल्ली में आयोजित होने वाले इंडिया ओपन को 2023 में सुपर 750 का दर्जा दिया गया था। वह अपनी ग्रेड दो, लेवल तीन स्थिति बनाए रखेगा और 2027-30 के नए चक्र में भी पांच सुपर 750 टूर्नामेंटों में शामिल रहेगा। इस साल इंडिया ओपन विवादों में भी रहा था। कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने साफ-सफाई सहित आयोजन की अन्य खामियों की ओर इशारा किया था। नए बदलावों के तहत विश्व टूर की छह-स्तरीय संरचना में 36 टूर्नामेंट शामिल होंगे। इसमें टूर्नामेंट विश्व टूर फाइनल्स, पांच सुपर 1000 टूर्नामेंट, पांच सुपर 750, नौ सुपर 500, आठ सुपर 300 और आठ सुपर 100 टूर्नामेंट शामिल हैं। खास बात यह है कि सुपर 100 टूर्नामेंट पहली बार मुख्य टूर में शामिल होंगे। सुपर 1000 स्तर के पहले चार टूर्नामेंट होते थे लेकिन अब इस स्तर के पांच टूर्नामेंट एशिया और यूरोप में आयोजित होंगे। इसमें एकल में 48 खिलाड़ी ग्रुप और फिर एलिमिनेशन चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जबकि युगल में 32 जोड़ियों का नॉकआउट ड्रॉ होगा। हर सुपर 1000 टूर्नामेंट 11 दिन तक दो सप्ताहांत में चलेगा और इसके 1,095 मैच पूरी दुनिया में प्रसारित किए जाएंगे। BWF ने बताया कि विश्व टूर में कुल वार्षिक पुरस्कार पूल लगभग 26.9 मिलियन डॉलर होगा। इसमें हर श्रेणी की पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी की गयी है। BWF ने कहा, 'सुपर 1000 टूर्नामेंट के लिए 20 लाख डॉलर, सुपर 750 के लिए 11 लाख , सुपर 500 के लिए 5.60 लाख, सुपर 300 के लिए 2.90 लाख और सुपर 100 के लिए 1.40 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि रखी गयी है।'

आईसीसी ने पीसीबी की शर्तों को मानने से इंकार किया

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की उन शर्तों को खारिज कर दिया है जो उसने भारत के साथ मैच खेलने के लिए रखीं थीं। इससे अब 15 फरवरी को भारत और पाक के बीच मैच होने की संभावनाएं कम हो गयी हैं। आईसीसी ने पीसीबी की मांगों को मानने से साफ मना कर दिया। पीसीबी ने आईसीसी के सामने तीन प्रमुख मांगें रखीं। पहली, भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज को फिर से शुरू करने की ठोस गारंटी। दूसरी आईसीसी की कुल कमाई में पाकिस्तान के हिस्से को बढ़ाने की मांग। तीसरी और अहम मांग यह थी कि भविष्य में हाथ न मिलाने जैसे घटनाक्रम दोबारा न हों और इसके लिए स्पष्ट प्रोटोकॉल तय किया जाए। इसके अलावा पीसीबी ने बांग्लादेश के लिए मुआवजा और भविष्य के आईसीसी इवेंट्स की मेज़बानी से जुड़े मुद्दे भी उठाए।आईसीसी ने इन मांगों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। हालांकि परिषद ने यह आश्वासन ज़रूर दिया कि बांग्लादेश को आईसीसी राजस्व में उसका पूरा हिस्सा मिलेगा, लेकिन किसी भी तरह के अतिरिक्त मुआवज़े से साफ इंकार किया गया।

इटली के कप्तान मैडसेन चोटिल हुए, आगे खेलने की संभावना नहीं

कोलकाता । इटली के कप्तान वेन मैडसन टी20 विश्व कप के अपने पहले ही मैच में चोटिल होकर बाहर हो गये हैं। स्कॉटलैंड के ख़िलाफ़ इस मैच के चौथे ही ओवर में फ़ील्डिंग करते समय मैडसन के कंधे पर गंभीर चोट लग गयी। मैडसन उस समय मिडविकेट पर फ़ील्डिंग कर रहे थे। वह जॉर्ज मंसी के पुल शॉट को रोकने के प्रयास में गिर गये। इसके बाद उन्हें स्टेडियम से बाहर ले जाया गया। मैडसेन इटली के सबसे अनुभवी क्रिकेटर हैं। ऐसे में उनका चोटिल होना टीम के लिए करारा झटका है। वह अपना पहला विश्व कप खेल रहे हैं। उन्हें जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया है। कंधे की चोट गंभीर होती है। ऐसे में उनका अब इस टूर्नामेंट में आगे खेलना संदिग्ध नजर आता है। जो बर्न्स के टूर्नामेंट के लिए चयनित नहीं होने के बाद मैडसेन को टी20 विश्व कप के लिए इटली का कप्तान बनाया गया था। इटली को इस मैच में 73 रनों से हार का भी सामना करना पड़ा है। स्कॉटलैंड ने ग्रुप सी के इस मैच में इटली को हराकर पहला मैच जीता। स्कॉटलैंड ने इस मैच में 208 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली की टीम ने 16 ओवर और चार गेंदों में 9 विकेट पर 134 रन ही बना पायी। ऑफ स्पिनर लीस्क ने 17 रन देकर चार विकेट लिए । इटली की ओर से बेन मानेंती ने 52 और हैरी मानेंती ने 37 रन बनाये पर वह अपनी टीम की हार नहीं टाल पाये।

टी20 विश्वकप : गेंदबाजों के कमाल के बाद बेनेट की नाबाद पारी से जिम्बाब्वे ने ओमान को हराया

कोलंबो (एजेंसी)। ब्लेसिंग मुजरबानी की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद ब्रायन बेनेट की 36 गेंद में नाबाद 48 रन की पारी से जिम्बाब्वे ने आईसीसी टी20 विश्व कप ग्रुप बी मैच में सोमवार को यहां 45 गेंद शेष रहते ओमान को आठ विकेट से शिकस्त दी। ओमान को 103 रन पर आउट करने के बाद जिम्बाब्वे ने 13.3 ओवर में दो विकेट गंवाकर 106 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। मुजरबानी ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लेते हुए ओमान के शीर्ष क्रम को झकझोरा। उन्हें रिचर्ड नगारवा का (चार ओवर में 17 रन पर तीन विकेट) का अच्छा साथ मिला। एक अन्य तेज गेंदबाज ब्रैंड इवांस ने 3.5 ओवर में 18 रन पर तीन विकेट लेते हुए जिम्बाब्वे के निचले क्रम को आउट किया।

ओमान ने 27 रन पर पांच विकेट गंवा दिये थे और टीम पर काफी कम स्कोर पर आउट होने का खतरा मंडरा रहा था। विनायक शुक्ला (21 गेंद में 28 रन), सूफ़ियान महमूद (39 गेंद में 25) और नदीम खान (18 गेंद में 20) की उपयोगी पारियों से टीम ने 100 रन के आंकड़े को पार किया। इन तीनों के

अलावा कोई अन्य बल्लेबाज दोहरे अंक में रन बनाने में नाकाम रहा। विनायक और सूफ़ियान ने छठे विकेट के लिए 42 रन की साझेदारी कर ओमान को जल्दी आउट होने बचाया तो वहीं नदीम ने आखिरी ओवरों में कुछ बड़े शॉट के साथ टीम के स्कोर को 100 रन के पार पहुंचाने में अहम योगदान दिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे ने तेज शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज तादिवांशे मारुमनी ने 11 गेंदों में 21 रन की तेज पारी खेली, लेकिन महमूद की गेंद पर वसीम अली ने शानदार कैच लेकर उन्हें पवेलियन भेज दिया। महमूद ने उसी ओवर में डियोन मायर्स को खाता खोले बिना आउट कर दिया। इसके बाद बेनेट और अनुभवी विकेटकीपर ब्रेंडन टेलर (30 गेंदों में 31 रन, रिटायर्ड हर्ट) ने तीसरे विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी कर जिम्बाब्वे को 13.3 ओवर में ही जीत दिला दी। 22 साल के बेनेट पिछले कुछ समय से शानदार लय में है। उन्होंने इससे पहले घरेलू सरजमीं पर तीन अर्धशतक और एक शतक लगाकर जिम्बाब्वे को इस विश्व कप में जगह दिलाई थी।

अनुभवी टेलर भी पीछे नहीं रहे और उन्होंने कुछ बेहतरीन शॉट्स खेलते हुए टीम को आसान जीत दिलाई। जिम्बाब्वे की टीम टी20 विश्व कप के पिछले सत्र में बाहर रहने के बाद मौजूदा टूर्नामेंट में खुद को साबित करने उतरी है। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया जिसे मुजरबानी और नगारवा ने सही साबित किया। मुजरबानी ने अपने शुरुआती दो ओवर में तीन जबकि नगावरा ने एक विकेट लिये जिससे चार ओवर के बाद ओमान का स्कोर चार विकेट पर 17 रन हो गया।

पावरप्ले के बाद गेंदबाजी के लिए आये रजा ने वसीम अली (तीन) को बोल्ड कर 27 रन तक ओमान की आधी टीम को पवेलियन की राह दिखा दी। विनायक और महमूद ने इसके बाद पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों की 42 रन की अहम साझेदारी को नगावरा ने विनायक को विकेटकीपर ब्रेंडन टेलर के हाथों कैच कराकर तोड़ा। इवांस ने महमूद की को डीप स्क्वायर लेग पर कैच कराकर ओमान को 76 रन पर आठवां झटका दिया। नदीम ने इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ कुछ बड़े शॉट के दम पर टीम के स्कोर को 100 रन के पार पहुंचाया।

भारत के तेजस्विन ने एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता

-पूजा, तजिंदरपाल को रजत, पांच पदक जीतकर छठे स्थान पर रहा भारत

तिआनजिन (एजेंसी)। भारत के तेजस्विन शंकर ने चीन में आयोजित एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। शंकर ने पुरुषों की हेप्टाथलॉन स्पर्धा में ये स्वर्ण पदक जीता। इसी के साथ ही भारतीय दल ने इस टूर्नामेंट में कुल पांच पदक जीते हैं। इस प्रकार भारतीय को पदक तालिका में छठा स्थान मिला है। वहीं मेज़बान चीन ने कुल 10 स्वर्ण, 11 रजत और 13 कांस्य पदक 34 पदक के साथ ही पहला स्थान हासिल किया है। तेजस्विन ने हेप्टाथलॉन में कुल 5993 अंकों के साथ ही स्वर्ण पदक हासिल करने के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर इंडोर रिकॉर्ड भी तोड़ा। इससे पहले उनका सबसे अधिक स्कोर 5650 अंक का था, ये उन्होंने साल 2021 में अमेरिका में बनाया था।शंकर ने इस टूर्नामेंट में पहले दिन से ही बढ़त हासिल कर ली। जो दूसरे दिन भी जारी रखी। उन्होंने 60 मीटर बाधा दौड़ के साथ ही पोल वॉल्ट और 1000 मीटर दौड़ में भी जबरदस्त प्रदर्शन किया। वहीं भारत की ही पूजा ने महिलाओं की ऊंची कूद में 1.87 मीटर छलांग लगाकर रजत जबकि तजिंदरपाल सिंह तोर ने पुरुषों की शॉट पुट में 20.05 मीटर गोला फेंककर रजत पदक हासिल किया। एंसी सोजन ने लंबी कूद में 6.21 मीटर छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। शॉट पुट स्पर्धा में चीन के चेंगयू चेन ने 20.07 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं भारत के समरदीप सिंह गिल लंबी कूद में 18.97 मीटर छलांक लगाकर पांचवें स्थान पर रहे।महिलाओं की लंबी कूद में भारत की मौमिता मंडल ने 6.01 मीटर की छलांग लगाकर छठा स्थान प्राप्त किया।

टी20 वर्ल्ड कप में अश्विन का बड़ा रिकॉर्ड खतरे में, अर्शदीप सिंह महज इतने विकेट दूर

मुम्बई (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन की बात करें तो समय के साथ यह सूची तेजी से बदलती नजर आ रही है। मौजूदा टूर्नामेंट में भारत के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने ऐसी रफ्तार पकड़ी है कि वह जल्द ही इस प्रतिष्ठित रिकॉर्ड के सबसे बड़े दावेदार बन चुके हैं। फिलहाल यह रिकॉर्ड अनुभवी ऑफस्पिनर रविचंद्रन अश्विन के नाम दर्ज है।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट

रविचंद्रन अश्विन - 32
अर्शदीप सिंह - 29
जसप्रीत बुमराह - 26
हार्दिक पंड्या - 24
रविंद्र जडेजा - 22

अर्शदीप सिंह रिकॉर्ड की दहलीज पर

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भारत के टी20 वर्ल्ड कप अभियानों में अहम कड़ी बनकर उभरे हैं। अब तक वह इस टूर्नामेंट में 29 विकेट चटका चुके हैं और भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने से सिर्फ3 विकेट दूर हैं। पावरप्ले और डेथ ओवर्स में उनकी सटीक यॉर्कर और स्विंग गेंदबाजी ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि कम मैचों में इस स्तर तक पहुंचना अर्शदीप की निरंतरता और अनुकूलन क्षमता को दर्शाता है।

रविचंद्रन अश्विन का लंबे समय से चला आ रहा दबदबा

भारत के पूर्व मुख्य स्पिन हथियार रविचंद्रन अश्विन टी20 वर्ल्ड कप में अब तक 32 विकेट लेकर इस सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। कई संस्करणों में अपनी कसी हुई गेंदबाजी और अहम मौकों पर विकेट निकालने की क्षमता के दम पर अश्विन ने यह रिकॉर्ड कायम किया था। लंबे समय तक यह आंकड़ा भारतीय गेंदबाजों के लिए एक मानक बना रहा।

बुमराह और हार्दिक की अहम भूमिका

इस सूची में तीसरे स्थान पर भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं, जिनके नाम 26 विकेट दर्ज हैं। बुमराह की सटीक लाइन-लेंथ और दबाव में विकेट लेने की काबिलियत उन्हें खास बनाती है। वहीं चौथे स्थान पर ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या हैं, जिन्होंने 24 विकेट लेकर टीम को संतुलन प्रदान किया है। हार्दिक ने कई मौकों पर साझेदारी तोड़कर भारत को मैच में वापसी दिलाई है।

जडेजा और बदलती गेंदबाजी की तस्वीर

पांचवें नंबर पर अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा हैं, जिनके नाम 22 विकेट हैं। जडेजा की किफायती गेंदबाजी और फील्डिंग ने भारत को कई अहम मुकाबलों में फायदा पहुंचाया है। जानकारों के मुताबिक, यह सूची दिखाती है कि भारतीय टी20 गेंदबाजी अब सिर्फस्पिन पर निर्भर नहीं

रही, बल्कि तेज और स्पिन के संतुलित संयोजन की ओर बढ़ चुकी है।

आगे क्या टूटेगा रिकॉर्ड?

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की यह सूची बदलाव के दौर से गुजर रही है। अर्शदीप सिंह का अश्विन के रिकॉर्ड के करीब पहुंचना भारतीय क्रिकेट में नई पीढ़ी के तेज गेंदबाजों के उभार का संकेत है। जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, निगाहें इस बात पर टिकी रहेंगी कि क्या अर्शदीप इस ऐतिहासिक रिकॉर्ड को अपने नाम कर पाते हैं या नहीं।

विश्वकप में भाग लेने नहीं मैच जीतने आयी है नेपाल टीम : पौडेल

मुम्बई । इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली नेपाल क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित पौडेल ने कहा है कि उनकी टीम विश्वकप में एक या दो टीमों को हराने का प्रयास करेगी। नेपाल का पहले टी20 मैच में अंतिम ओवर में केवल चार रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद से ही टीम के हौंसले बुलंद हैं। टीम दो बार के विश्व चैंपियन इंग्लैंड को हराने के करीब पहुंच गयी थी पर अंतिम ओवर में वह जीत के करीब आकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी। पोडेल के अनुसार उनकी टीम का लक्ष्य हर मैच में जीत के इरादे से उतरना रहेगा। जिस प्रकार से टीम का पहले मैच में प्रदर्शन रहा है उससे उनकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। इंग्लैंड ने रोमांचक मुकाबले में नेपाल पर बड़ी मुश्किल से केवल 4 रनों से जीत हासिल की। इस मुकाबले में उलटफेर की संभावनाएं तेज थीं पर। गेंदबाज सेम करन ने अंतिम ओवर में टीम को जीत दिला दी। इंग्लैंड के सात विकेट पर 184 रन के जवाब में नेपाल की टीम छह विकेट पर 180 रन ही बना पायी। कप्तान पौडेल ने कहा, 'खिलाड़ियों ने पहले ही मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. मुझे उन पर बहुत गर्व है। जब हम इस विश्व कप में आए थे तभी ये ठानकर आए थे कि हम यहां सिर्फ हिस्सा लेने नहीं आए बल्कि हमारा लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा। .हमने हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया। अंतिम ओवर में हालांकि हम सफल नहीं रहे।.'

जानकारी

चीज खाने के फायदे और नुकसान

अगर चीज को पनीर का आधुनिक रूप कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। पनीर की तरह यह भी एक तरह का डेयरी पदार्थ है, जिसे दूध से बनाया जाता है। जहां पनीर को बनाने के लिए दूध में खटास का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं, चीज के निर्माण के लिए दूध में बैक्टीरिया का इस्तेमाल किया जाता है। चीज दो तरह के होते है, सॉफ्ट और हार्ड चीज। यह दिखने में पनीर की तरह होता है, लेकिन स्वाद में पनीर से बिल्कुल अलग और मीठा होता है। यह कई तरह के पोषक तत्व से भरपूर होता है, जो कि आपके लिए लाभदायक हो सकता है। इसके पोषक तत्त्वों के बारे में हम आगे लेख में जिक्र करेंगे।

कैविटी
कैविटी के कारण दांतो के खराब होने की समस्या उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में चीज के सेवन से दांतो में कैविटी होने के जोखिम को कम किया जा सकता है। चीज में कैरोस्टेटिक गुण पाए जाते हैं, जो कैविटी को कम करने का काम कर सकते हैं। साथ ही यह कैल्शियम का अच्छा स्रोत होता है, जो आपके दांत को लाभ पहुंचाने में फायदेमंद हो सकता है।

कैंसर
एक शोध के अनुसार, चीज का सेवन करने से कोलोरेक्टल व ब्रेस्ट कैंसर आदि से बचा जा सकता है। चीज में कैल्शियम व विटामिन-डी जैसे गुण पाए जाते हैं, जो कैंसर से हमारी रक्षा करते हैं ।

वजन बढ़ाने के लिए
अगर आप दुबले-पतले हैं, तो आपके वजन को बढ़ाने में चीज अहम भूमिका निभा सकता है। चीज में प्रोटीन, कैलोरी और वसा भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो आपके वजन को बढ़ाने में मददगार साबित हो सकते हैं ।

हड्डियों की मजबूती के लिए
चीज के लाभ हड्डियों के लिए भी हो सकते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, चीज में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है, जो हड्डियों को मजबूत करने का काम करता है। इसके कारण ऑस्टियोपोरोसिस जैसे हड्डियों से संबंधित रोगों को दूर रखने में भी मदद मिल सकती है ।ऑस्टियोपोरोसिस में हड्डियां कमजोर हो जाती है और उनके टूटने की आशंका बनी रहती है।

उच्च रक्तचाप के लिए
रक्तचाप बढ़ने से हृदय संबंधी विकार उत्पन्न हो सकते हैं। ऐसे में चीज का उपयोग इस समस्या को कम करने में सहायक हो सकता है। चीज़ को रक्तचाप को कम करने वाली डैश (DASH) डाइट में भी शामिल किया जाता है। दरअसल, चीज में सोडियम और प्रोटीन की मात्रा पाई जाती है, जो रक्तचाप को नियंत्रण करने का काम कर सकते हैं। इसलिए, चीज के लाभ उच्च रक्तचाप के लिए भी माने जा सकते हैं।

प्रेगनेंसी में लाभदायक
गर्भावस्था के दौरान चीज खाने को लेकर भी आपके मन में कुछ संशय जरूर होगा। अगर ऐसा है, तो यहां आपको इसका जवाब मिल जाएगा। गर्भावस्था के दौरान सॉफ्ट चीज के जगह हार्ड चीज का सेवन करना ज्यादा सुरक्षित हो सकता है ।चीज में कैल्शियम, विटामिन और मिनरल भरपूर मात्रा में होते हैं, जो भ्रूण की हड्डियों की संरचना में मदद कर सकते हैं। साथ ही जन्म दोष (रीढ़ की हड्डी और मस्तिष्क से संबंधित) की समस्या से भी छुटकार दिलाने का काम कर सकते हैं।

प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम
लगभग हर युवती को प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम से गुजरना पड़ता है। पीरियड्स से हफ्ते भर पहले होने वाले शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक बदलाव को प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम कहा जाता है। इस अवस्था में युवती को चिड़चिड़ापन, पेट में दर्द व सिरदर्द हो सकता है। एक वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार, चीज के सेवन से प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम के समय होने वाली थकान, अवसाद और खाने की लालसा को कम किया जा सकता है। यह चीज में पाई जाने वाली कैल्शियम की मात्रा के कारण संभव हो पाता है।

30 से 35 की उम्र में हार्ट वाल्व खराब होने के पीछे छिपा है ये कारण। अगर समय रहते इलाज हो जाए तो बच सकती है आसानी से जान।

रूमेटिक हार्ट डिजीज क्या है

कॉडियोलॉजिस्ट से जानें इसके लक्षण, जोखिम और इलाज

रूमेटिक हार्ट डिजीज एक ऐसी स्थिति है, जिसमें रूमेटिक फीवर के कारण हार्ट के वाल्व स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। खराब गला या लाल बुखार जैसे स्ट्रेप्टोकॉकस संक्रमण का अगर इलाज न किया जाए या फिर इलाज अधूर छोड़ दिया जाए तो कुछ दिनों के भीतर ही हार्ट वॉल्व को नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है। प्रतिरक्षा प्रणाली में प्रतिक्रिया शरीर में इंफ्लेमेटरी स्थिति का कारण बनती है, जिसके परिणामस्वरूप वाल्व खराब हो सकता है और लोगों को हार्ट अटैक आ सकता है। रूमेटिक फीवर एक इंफ्लेमेटरी रोग है, जो शरीर के कई कनेक्टिव टिश्यू को प्रभावित करते हैं, विशेषकर हृदय, जोड़ों, स्किन और मस्तिष्क को। इस कारण हमारे हार्ट के वाल्व संक्रमित हो जाते हैं और समय के साथ-साथ खराब होते चले जाते हैं। संक्रमित होने के बाद करीब 10 वर्षों तक वाल्व पूरे तरीके से खराब हो जाते हैं और परिणामस्वरूप हार्ट फ्लेयोर हो जाता है।

डॉ. विवेक कुमार ने ओन्ली माई हेल्थ को बताया कि रूमेटिक फीवर किसी भी उम्र में हो सकता है लेकिन आमतौर पर ये 5 साल से 15 साल की उम्र के बच्चों में होता है। इस बीमारी को पूर्ण रूप लेने में कम से कम 10 साल का वक्त लगता है। ये सामान्य तौर पर अफ्रीका, मध्य एशिया, दक्षिण एशिया और गरीब देशों में होता है। वहीं भारत के बिहार, उड़ीसा, झारखंड और पड़ोसी देश नेपाल में इस रोग से सबसे ज्यादा लोग प्रभावित होते हैं। उन्होंने बताया कि अगर इस बीमारी का इलाज सही समय पर न किया जाए तो 30 से 35 साल तक की उम्र होते-होते किसी भी व्यक्ति की जान जा सकती है।

रूमेटिक हार्ट डिजीज से जोखिम किसको
अगर खराब गला या लाल बुखार जैसे स्ट्रेप्टोकॉकस संक्रमण का इलाज न किया जाए तो रूमेटिक हार्ट डिजीज का जोखिम बढ़ जाता है। वे बच्चे, जिनका गला बार-बार खराब होता है उनमें रूमेटिक फीवर और रूमेटिक हार्ट डिजीज का खतरा बहुत ज्यादा होता है।

रूमेटिक हार्ट डिजीज के लक्षण
गले में संक्रमण या रूमेटिक फीवर का इतिहास रूमेटिक हार्ट रोगों के निदान के लिए बहुत जरूरी है। रूमेटिक फीवर के लक्षण अलग-अलग होते हैं और आमतौर पर गला खराब होने के 1 से 6 सप्ताह बाद शुरू होते हैं। कुछ मामलों में सांक्रमण को पहचानना बहुत मुश्किल होता है क्योंकि इसके लक्षण दिखाई नहीं देते।

रूमेटिक फीवर के आम लक्षण
बुखार: घुटनों और टखनों में सूजन, लालपन और बेहद ज्यादा दर्द।

त्वचा में गांठ बन जाना। छाती, पीठ और पेट पर रैशेज।

सांस लेने में दिक्कत और सीने में जकड़न।

हाथ, पैर या मांसपेशियों में हलचल।

कमजोरी।

रूमेटिक हार्ट डिजीज के लक्षण वाल्व के क्षतिग्रस्त होने पर निर्भर करते हैं जैसे
■ सांस लेने में दिक्कत, ■ खासकर जब आप लेटे हुए हों। ■ सीने में दर्द ■ सूजन।

रूमेटिक हार्ट डिजीज का निदान
रूमेटिक हार्ट डिजीज से पीड़ति लोगों को या तो गले में संक्रमण होगा या उन्हें हाल ही में ऐसा हुआ होगा। संक्रमण की जांच के लिए ब्लड टेस्ट किया जा सकता है। इसके अलावा रूमेटिक हार्ट डिजीज की पहचान के लिए ये टेस्ट किए जा सकते हैं।

■ इकोकार्डियोग्राम (इको) ■ इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी) ■ चेस्ट एक्स-रे ■ कार्डियक एमआरआई ■ ब्लड टेस्ट

कैसे होता है रूमेटिक हार्ट डिजीज का उपचार
इस रोग का उपचार इस बात पर निर्भर करता है आपके हृदय वाल्व को कितना नुकसान हुआ है। गंभीर मामलों में इलाज के दौरान क्षतिग्रस्त वाल्व को बदलने या उसे ठीक करने के लिए सर्जरी शामिल हो सकती है। रूमेटिक फीवर को रोकने का सबसे अच्छा उपचार है एंटीबायोटिक्स, जिन्हें आमतौर पर गले के संक्रमण के उपचार में लिया जाता है। एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाओं का उपयोग सूजन को कम करने और हृदय को होने वाले नुकसान कम करने के लिए किया जा सकता है।

सेहत

हल्दी के फायदे

जैसा कि हम जानते हैं हल्दी में करक्यूमिन नामक अहम यौगिक होता है, जो अर्थराइटिस व कैंसर जैसी कई समस्याओं से हमें बचाता है। हल्दी के औषधीय गुण हमारे लिए कई प्रकार फायदेमंद हो सकते हैं, जो इस प्रकार हैं।

लिवर को करती है डिटॉक्सीफाई
हल्दी के औषधीय गुण के रूप में आप इसका इस्तेमाल शरीर को डिटॉक्सीफाई करने के लिए कर सकते हैं। मेरीलैंड मेडिकल सेंटर यूनिवर्सिटी के अनुसार, करक्यूमिन गाल ब्लैडर यानी पित मूत्राशय में बाइल (पित्त) के उत्पादन को बढ़ाता है। लिवर इस बाइल का प्रयोग विषैले जीवाणुओं को बाहर निकालने में करता है। इसके अलावा, बाइल के कारण लिवर में जरूरी सेल्स का निर्माण भी होता है, जो हानिकारक तत्वों को खत्म करने का काम करते हैं। करक्यूमिन की डिटॉक्सिफिकेशन प्रक्रिया इतनी प्रभावशाली है कि इसका इस्तेमाल मरकरी के संपर्क में आए व्यक्ति का इलाज करने तक में किया जा सकता है।

डायबिटीज
वैज्ञानिकों के अनुसार, करक्यूमिन रक्त में ग्लूकोज के स्तर को कम कर सकता है। इससे डायबिटीज से आराम मिल सकता है। एक अन्य शोध के तहत, डाबिटीज के मरीज को करीब नौ महीने तक करक्यूमिन को दवा के रूप में दिया गया। इससे मरीज में सकारात्मक परिणाम नजर आए। इन अध्ययनों के आधार पर वैज्ञानिकों ने माना कि हल्दी के सेवन से डायबिटीज से ग्रस्त मरीज का इम्यून सिस्टम बेहतर हो सकता है। डायबिटीज से ग्रस्त चूहों पर हुए अध्ययन में भी पाया गया कि करक्यूमिन सप्लीमेंट्स के प्रयोग से ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस को कम किया जा सकता है। शरीर में ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस का स्तर बढ़ने से हृदय संबंधी रोग भी हो सकते हैं। इस लिहाज से हल्दी खाने के फायदे में डायबिटीज को ठीक करना भी है।

प्रतिरोधक क्षमता में सुधार
हल्दी के गुण में इसका प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर करना भी शामिल है। हल्दी में एंटीइफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो प्रतिरोधक प्रणाली को बेहतर कर सकते हैं। वैज्ञानिक शोध में पाया गया है कि करक्यूमिन हृदय रोग व मोटापे का कारण बनने वाले सेल्स को बनने से रोकता है। साथ ही यह प्रतिरोधक प्रणाली को एक्टिव कर टीबी का कारण बनने वाले हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर सकता है। हल्दी में करक्यूमिनोइड्स नामक यौगिक भी होता है, जो टी व बी सेल्स (श्वेत रक्त कोशिकाएं) जैसे विभिन्न इम्यून सेल्स की कार्यप्रणाली को बेहतर करता है। इससे प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होती है।

कैंसर
हल्दी में एंटी कैंसर गुण भी पाए जाते हैं। कई वैज्ञानिक शोधों में भी माना गया है कि कैंसर की रोकथाम में हल्दी का प्रयोग किया जा सकता है। शोध के दौरान पाया गया कि कुछ कैंसर ग्रस्त मरीजों को हल्दी देने से उनके ट्यूमर का आकार छोटा हो गया था। इतना ही नहीं कैंसर को खत्म करने में सक्षम इम्यून सिस्टम में मौजूद केमिकल भी एक्टिव हो जाते हैं। एक चाइनीज अध्ययन के अनुसार, करक्यूमिन ब्रेस्ट कैंसर का इलाज करने में भी कारगर है। इसलिए, कैंसर की रोकथाम के लिए हल्दी का उपयोग किया जा सकता है।

वजन नियंत्रण व मेटाबॉलिज्म
यह तो आप सभी जानते हैं कि मोटापा कई बीमारियों की जड़ है। इसके कारण न सिर्फ आपकी हड्डियां कमजोर होती हैं, बल्कि शरीर में कई जगह सूजन भी आ जाती है। इससे डायबिटीज व हृदय रोग जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। वहीं, हल्दी में एंटीइफ्लेमेटरी व अन्य गुण होते हैं, जो इन समस्याओं से आपको राहत दिला सकते हैं। यह कोलेस्ट्रॉल व उच्च रक्तचाप को नियंत्रित कर सकती है। इन दो परिस्थितियों में भी वजन बढ़ने लगता है। हल्दी के गुण में वजन को नियंत्रित करना भी है। जब आपका वजन बढ़ता है, तो फैट टिशू फैल जाते हैं और नई रक्त वाहिकाओं का निर्माण होता है। ऐसे में करक्यूमिन इन नई रक्त वाहिकाओं को बनने से रोकता है, जिससे वजन कम हो सकता है। फिलहाल, यह शोध अभी तक सिर्फ चूहों पर किया गया है। यह मनुष्यों के लिए कितना कारगर है, उस पर रिसर्च किया जाना बाकी है।एक कोरियन स्टडी के अनुसार, हल्दी मेटाबॉलिज्म प्रणाली को बेहतर करती है और नए फैट को बनने से रोकती है। इसके अलावा, हल्दी कोलेस्ट्रॉल स्तर को भी नियंत्रित करती है, जिससे वजन का बढ़ना रुक सकता है। प्रोटीन से भी शरीर का वजन बढ़ता है, ऐसे में हल्दी अधिक प्रोटीन के निर्माण में बाधा पहुंचाती है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि हल्दी वजन कम करने और मोटापे के कारण होने वाली बीमारियों से बचाने में हमारी मदद करती है। यहां स्पष्ट कर दें कि हल्दी फैट सेल्स को तो कम करती है, लेकिन भूख को किसी तरह से प्रभावित नहीं करती है। इसलिए, हल्दी का प्रयोग पूरी तरह से सुरक्षित है ।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3796

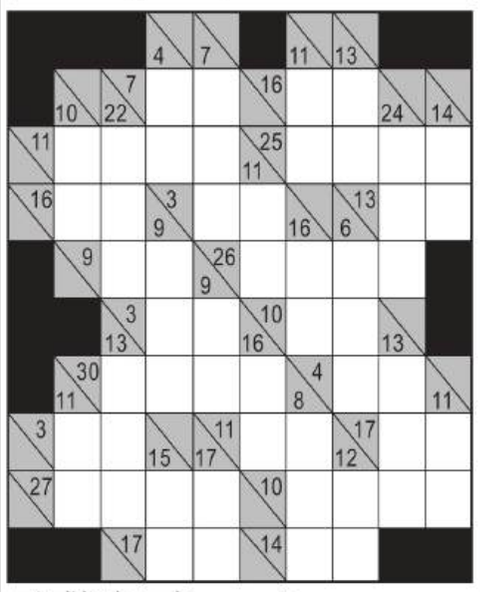

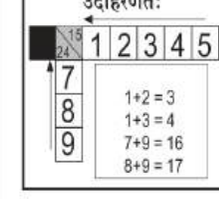

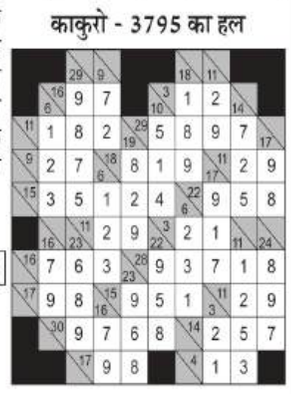

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3795 का हल

लॉफिंग ज़ोन

डॉक्टर ने रमन के सिर पर ड्रेसिंग करने के बाद पट्टी बाँध दी और पूछा कि चोट कैसे लगी है?

रमन- छोड़ो डॉक्टर! लंबी कहानी है।

डॉक्टर- फिर भी सुनना चाहता हूँ।

रमन- बात यह है कि पिछले हफ्ते पत्नी मायके गई हुई थी। मैं भी हवा बदलने रविवार को होटल में जा टिका। मेरे बगल के कमरे में एक खूबसूरत औरत थी। रात ग्यारह बजे उसने दरवाजा खटखटाया और माफी माँगते हुए कहा कि उसे ठंड लग रही है अगर मैं कुछ मदद कर सकूँ तो वह आभारी रहेगी। मैंने एक कम्बल दे दिया। थोड़ी देर बाद वह फिर आ गई और वही शिकायत करने लगी। मैंने उसे अपना ओवरकोट दे दिया।

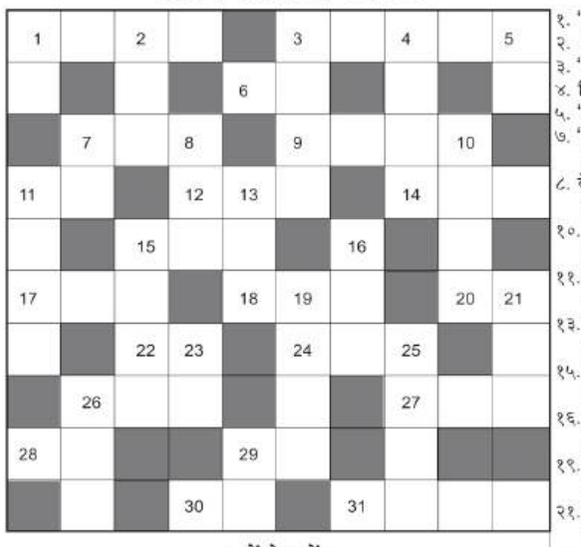

आज जब मैं हथौड़ी से कील ठोंक रहा था तो अचानक मुझे समझ में आया कि उस दिन वह क्या चाह रही थी और बस, मैंने हथौड़ी अपने सिर पर दे मारी।

□ □ □

अफरीदी (शोएब से)- हम सचिन को सेंचुरी नहीं बनाने देंगे।

शोएब- मगर हम उसे रोकेंगे कैसे? वो तो फॉर्म में है।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3796

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल धवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल धवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3795

सूडोकु -3796

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

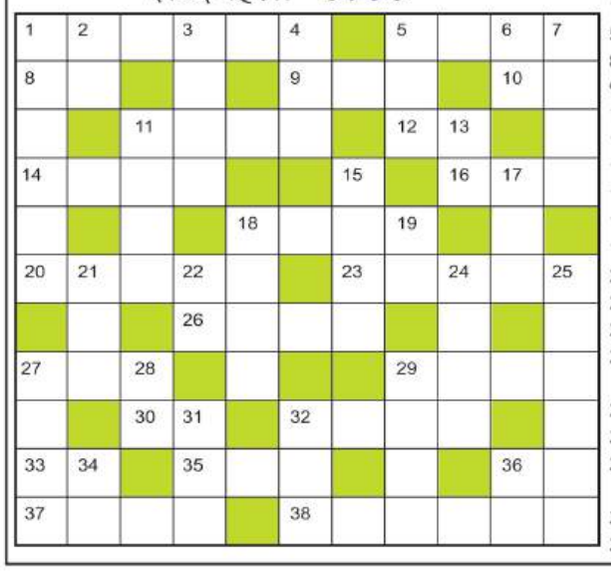

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3795 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 3796

बाएँ से दाएँ

1.पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5.मजार-4
8.बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9.तहजीब,तमीज-3
10.सत्य,तेज-2
11.पतंगा-4
12.ईसाई साध्वी-2
14.इंकार करना-4
16.उत्तम,आदर्शवादी-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
20.पागलपन,सनक-5
23.पालन-पोषण-5
26.आनंद लेना-2,2
27.बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29.अप्रधान,गौण-4
30.ठाठ-बाट-2
32.अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33.रहस्य-2
35.गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36.कमरा,रूम-2
37.जल में रहने वाला-4
38.धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1.पलायन करने वाला-6
2.जंगल-2
3.दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4.जिव्हा,जीभ-3
5.घर,भवन-3
6.यात्री गाड़ी-2
7.चौबीस घंटे का समय-4
11.परीक्षण करना-4
13.भीगा हुआ-2
15.खीजना-4
17.उपस्थिती-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
19.संपत्ति-2
21.उचित,सही-3
22.पंख,पराया-2
24.देश निर्वासन-4
25.अंगरक्षक-3,3
27.हाथी-4
28.मद,सरूर-2
29.अनुसार,समान-4
31.निगाह,दृष्टि-3
32.हथियार-3
34.पानी,नीर-2
36.सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली -3795 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी